राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

महिला दिवस पर ओटीटी पर रिलीज होगी ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

रविवार, 05 मार्च 2023 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्षः 10 अंकः 74 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

मनीष सिसोदिया की जमानत पर फैसला सुरक्षित, 10 मार्च को होगी सुनवाई, कोर्ट ने बढ़ाई 2 दिन की सीबीआई रिमांड

आबकारी घोटाला मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली के उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को अदालत में पेश किया। सीबीआई और मनीष सिसोदिया की तरफ से पेश वकील ने अपने–अपने पक्ष रखें। विशेष जज एमके नागपाल ने केस की सुनवाई की। कोर्ट ने पूरे मामले को सुनते हुए कोर्ट ने पूछा कि जांच में सहयोग न करना रिमांड का आधार कैसे? सभी पक्षों को सुनने के बाद कोर्ट ने फैसला सुरक्षित रख लिया है। सिसोदिया की जमानत पर 10 मार्च को सुनवाई होगी। वहीं सीबीआई की तरफ से 3 दिन की रिमांड पर कोर्ट ने अपना फैसला दिया। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सीबीआई की दो दिन की हिरासत में भेजा गया है। सीबीआई की तरफ से मनीष सिसोदिया की तीन दिन की रिमांड मांगी गई। कोर्ट में सीबीआई की तरफ से कहा गया कि मनीष सिसोदिया जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। इसके साथ ही आमने–सामने बिठाकर

पूछताछ किए जाने की बात कही। कोर्ट से कहा गया कि मनीष सिसोदिया एक अभियुक्त की तरह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। जज की तरफ से सीबीआई से केस डायरी मांगी है। सीबीआई ने कहा कि कुछ दस्तावेज जिनका जिक्र अन्य आरोपियों ने अपने बयान में किया वो दस्तावेज मीसिंग हैं। वो कह रहे हैं कि ये दस्तावेज मनीष सिसोदिया के पास है, जबकि पूर्व डिप्टी सीएम इस पर किसी भी तरह की हामी नहीं भर रहे हैं। इन गुम या गायब हुए दस्तावेज को ट्रेस करने के लिए मनीष सिसोदिया से पूछताछ किए जाने की जरूरत है। तभी पता चलेगा। मनीष सिसोदिया की तरफ से पेश वकील ने रिमांड का विरोध किया। उनकी तरफ से कहा गया कि इन पांच दिनों क्या हासिल किया गया? जब पांच दिनों में कुछ नहीं मिला तो अगले 3 दिनों में क्या मिलेगा? सिसोदिया ने कहा कि उनके पास सीबीआई की तरफ से हासिल करने के लिए कुछ नहीं है। जांच में सहयोग के आरोप निराधार है। सिसोदिया के वकील ने कहा कि सीबीआई हमसे वही जवाब हासिल करना चाहती है जो वो सुनना चाहती है।

सीबीआई ने किया था गिरफ्तार

मनीष सिसोदिया को कथित आबकारी घोटाले से संबंधित भ्रष्टाचार के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। सीबीआई ने अब रद्द की जा चुकी साल 2021–22 की आबकारी नीति बनाने एवं उसे लागू करने में कथित भ्रष्टाचार के सिलसिले में 26 फरवरी की शाम को सिसोदिया को गिरफ्तार किया था। सीबीआई के अनुसार, गिरफ्तार करने से पहले उनसे आठ घंटे तक पूछताछ की गयी थी, लेकिन उनके जवाब कथित रूप से संतोषजनक नहीं पाये गये थे।

कोर्ट ने सीबीआई की हिरासत में भेजा था

अदालत ने 27 फरवरी को सिसोदिया को सीबीआई हिरासत में भेज दिया था ताकि जांच एजेंसी उपयुक्त एवं निष्पक्ष जांच के लिए ''उनके सामने रखे जाने वाले सवालों का 'वास्तविक एवं वैध' उत्तर प्राप्त कर सके। न्यायाधीश ने कहा था कि आरोपी पहले दो बार जांच में शामिल हुए लेकिन यह देखा गया कि उनसे जो सवाल किये गये, उन्होंने उसके संतोषजनक जवाब नहीं दिये।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने राजधानी एक्सप्रेस बस सेवा को दिखाई हरी झंडी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को उप्र सड़क परिवहन निगम की एक नयी बस सेवा श्राजधानी एक्सप्रेस्च को हरी झंडी दिखाई, जो राज्य की राजधानी को सभी जिला मुख्यालयों से जोड़ेगी. लखनऊ से ये बसें हर जिलों में जाएंगी. शनिवार को अपने सरकारी आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की 76 नई राजधानी व 39 साधारण सेवा की बसों को हरी झंडी दिखायी. मुख्यमंत्री ने ऑनलाइन रिजर्वेशन व यात्री फीडबैक एप्लीकेशन ऐप श्यूपी–राहीश की भी शुरुआत की. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि यह आजादी का अमृत महोत्सव

का पहला वर्ष है और इस प्रथम वर्ष में उप्र राज्य सड़क परिवहन निगम (यूपीएसआरटीसी) अपनी स्थापना के 50 साल पूरे कर रहा है. उन्होंने कहा कि 50 वर्षों पहले जिस यात्रा को प्रारंभ किया गया उसमें होली के पूर्व कुछ नई उपलब्धियों को जोड़ा जा रहा है ताकि राज्य की 25 करोड़ जनता को सुगम परिवहन सेवा मुहैया कराई जा सके. उन्होंने कहा कि सबसे बड़े सांस्कृतिक आयोजन प्रयागराज कुंभ और कोरोना महामारी के दौरान परिवहन निगम की भूमिका सराहनीय रही. उन्होंने कहा कि कुंभ के 45 दिन के आयोजन में 24 करोड़ श्रद्धालु सहभागी बने और इसके लिए परिवहन निगम को राज्य सरकार ने पांच हजार नयी बसें उपलब्ध कराई थीं. आदित्यनाथ ने कहा कि होली पर 150 नयी बसें आई हैं और अच्छी बात यह है कि ये बसें परिवहन निगम के वर्कशॉप में बन रही हैं. उन्होंने कहा कि 1000 नयी बस खरीदने के लिए उनकी सरकार ने 400 करोड़ रुपये दिए हैं. मुख्यमंत्री ने कहा कि बस अड्डों को हवाई अड्डा की तर्ज पर विकसित करने के लिए 100 करोड़ रुपये दिए गये हैं. आदित्यनाथ ने कहा कि उप्र में एक लाख राजस्व गांव हैं जहां परिवहन निगम रेलवे और हवाई अड्डा से बेहतर सेवा दे सकता है. उन्होंने कहा कि हर जनपद, 350 से अधिक तहसीलों, 825 विकास खंडों, 762 नगर निकायों को बस सेवा से जोड़ें.

2024 से पहले कपिल सिब्बल का बड़ा कदम, बनाया नया मंच

गैर–भाजपाई नेताओं से भी मांगा सहयोग

नई दिल्ली। 2024 लोकसभा चुनाव से पहले पूर्व केंद्रीय मंत्री और राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने एक बड़ा कदम उठाया है। उन्होंने देश में मौजूद अन्याय से लड़ने के लिए एक नए मंच की घोषणा की है। इसके साथ ही उन्होंने इस काम के लिए गैर भाजपाई मुख्यमंत्रियों एवं नेताओं से सहयोग भी मांगा है। इसको लेकर उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन किया। संवाददाता सम्मेलन में कपिल सिब्बल ने कहा कि वह न्याय के खिलाफ लड़ाई में लोगों की मदद करने के लिए 'इंसाफ' मंच और 'इंसाफ का सिपाही' नामक वेबसाइट शुरू कर रहे है और इस पहल में वकील अग्रणी भूमिका

निभाएंगे। हालांकि उन्होंने इन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह किसी नए राजनीतिक दल की शुरुआत कर रहे हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि वह 11 मार्च को जंतर–मंतर पर इस पहल के संबंध में एक बैठक करेंगे और भारत के लिए दृष्टिकोण पेश करेंगे। सिब्बल ने कहा कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए विपक्षी नेताओं और आम लोगों समेत सभी को खुला निमंत्रण है। उन्होंने अपनी पहल के लिए गैर–भाजपाई मुख्यमंत्रियों और नेताओं से समर्थन देने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा, ''यह राष्ट्रीय स्तर का एक मंच होगा, जिसमें वकील सबसे आगे होंगे। आरएसएस (राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ) की शाखाएं भी हर इलाके में अपनी विचारधारा का प्रसार कर रही हैं, जो अन्याय को जन्म देती है। हम उस अन्याय से भी लड़ेंगे।'' वरिष्ठ अधिवक्ता ने इसे लोगों का मंच बताया और इन अटकलों को खारिज कर दिया कि वह किसी राजनीतिक दल की शुरुआत कर रहे हैं।

अब इस मार्ग पर दौड़ेगी वंदे भारत ट्रेन, रेल राज्य मंत्री ने दी बड़ी जानकारी

नई दिल्ली। भारत की सेमी हाई स्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस का ट्रेन जबरदस्त तरीके से देखने को मिल रहा है। वंदे भारत एक्सप्रेस की शुरुआत वाराणसी दिल्ली रूट पर हुई थी। उसके बाद इसे दिल्ली–कटरा रूट पर भी चलाया गया। फिलहाल देश के अलग–अलग हिस्सों में वंदे भारत ट्रेन चल रही है। इन सबके बीच गोवा को भी बंदे भारत एक्सप्रेस के सौगात मिलने जा रही है। इस बात की घोषणा खुद रेल राज्य मंत्री रावसाहेब दानवे ने की है। उन्होंने महाराष्ट्र के विधायकों के प्रतिनिधिमंडल को बताया कि जल्द ही मुंबई और गोवा के बीच वंदे भारत सेमी हाई स्पीड ट्रेन चलाई जाएगी। आपको बता दें कि मुंबई और गांधीनगर के बीच पहले से ही एक बंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चल रही है। अब गोवा और मुंबई के बीच एक बंदे भारत ट्रेन चलेगी। गोवा–मुंबई रूट काफी व्यस्त माना जाता है। ऐसे में इस रूट पर यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस का तोहफा काफी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। कोंकण स्नातक निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले महाराष्ट्र विधान परिषद के सदस्य निरंजन दावखरे ने इस बात की जानकारी साझा की है। दावखरे ने मुताबिक शुक्रवार को विधायकों के प्रतिनिधिमंडल ने दानवे से मुलाकात की थी। इस दौरान दानवे ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि मुंबई और गोवा के बीच वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन चलाई जाएगी। विज्ञप्ति के अनुसार दानवे ने कहा कि मुंबई–शिरडी और मुंबई–सोलापुर मार्गों पर हाल ही में शुरू की गई एक्सप्रेस ट्रेन की तर्ज पर मुंबई और गोवा के बीच भी ट्रेन चलाई जाएगी। मंत्री ने प्रतिनिधिमंडल को बताया कि मुंबई–गोवा रेल मार्ग का विद्युतीकरण पूरा हो गया है और निरीक्षण के बाद नयी ट्रेन सेवा शुरू की जाएगी।

कर्नाटक सरकार के खिलाफ कांग्रेस का विरोध प्रदर्शन

सिद्धारमैया सहित कई कांग्रेस नेता पुलिस हिरासत में

बेंगलुरु। कर्नाटक सरकार के खिलाफ कांग्रेस

का विरोध प्रदर्शन जारी है। प्रदर्शन के दौरान पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धारमैया सहित कई कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया गया। कांग्रेस लगातार भाजपा विधायक मदल विरुपाक्ष की गिरफ्तारी की मांग कर रही है, जिनके बेटे को रिश्वत लेते पकड़ा गया था। कांग्रेस कर्नाटक सरकार पर भ्रष्टाचार को छुपाने का आरोप भी लगा रही है। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के बड़े नेता सिद्धारमैया ने मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई पर झूठ बोलने का आरोप लगाया है। सिद्धारमैया ने कहा कि मुख्यमंत्री झूठ बोल रहे थे कि उनकी सरकार भ्रष्टाचार मुक्त है। फिर ये क्या हो रहा है। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हमने कभी आतंकवाद का समर्थन नहीं किया। कांग्रेस आतंकवाद का समर्थन क्यों करेगी? अमित शाह भी बड़े झूठे हैं। हम इस (कांग्रेस विरोध) के संबंध में आज निर्णय लेंगे। आपको बता दें कि अमित शाह ने आरोप लगाया था कि जब कांग्रेस सत्ता में थी तो उसने पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) के खिलाफ 1,700 मामले वापस ले लिये। कर्नाटक में विधानसभा चुनाव मई में होने हैं। कर्नाटक में लोकायुक्त अधिकारियों ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक मदल विरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को 40 लाख रुपये की रिश्वत लेने के आरोप में पकड़े जाने के बाद की गयी छापेमारी में विधायक के पुत्र के घर से छह करोड़ रुपये से अधिक की बेहिसाब नकदी बरामद की। बेंगलुरु जल आपूर्ति और सीवरेज बोर्ड के मुख्य लेखा अधिकारी प्रशांत को बृहस्पतिवार शाम को कर्नाटक साबुन और डिटर्जेंट लिमिटेड (केएसडीएल) कार्यालय में एक ठेकेदार से कथित तौर पर 40 लाख रुपये की रिश्वत लेते रंगे हाथों पकड़ा गया था।

बोकारो के बाद रांची में बर्ड फ्लू का प्रकोप

झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बोले- जब-जब बर्ड फ्लू आया है, मैंने ज्यादा मुर्गा खाया

रांची । बोकारो जिले में पशुपालन और डेयरी मंत्रालय में आए हैं। पशुपालन मंत्री इस बीमारी के कारण 4,000 मुर्गियों और बत्तखों के मारे जाने के बमुश्किल एक हफ्ते बाद झारखंड की राजधानी रांची में बर्ड फ्लू फैलने की सूचना मिली है।

एक अधिकारी ने कहा कि एच5एन1, एक प्रकार का एवियन इन्फ्लूएंजा वायरस की रांची में पोल्ट्री के बीच पुष्टि की गई। उन्होंने कहा कि केंद्र ने झारखंड के मुख्य सचिव सुखदेव सिंह को 3 मार्च को लिखे एक पत्र में रांची में पोल्ट्री में एवियन इन्फ्लूएंजा (भ्छ1) के प्रकोप की पुष्टि की है, इसके नियंत्रण और रोकथाम के लिए राज्य को निर्देश दिया है। केंद्रीय मत्स्य पालन, के पत्र में लिखा है, ष्उपरिकेंद्र (जेल मोड़, रांची नगर निगम) से नमूने आईसीएआर–राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान (एनआईएचएसएडी) भोपाल को भेजे गए थे। जिसने 30 मार्च, 2023 को पुष्टि की कि नमूने भ्छ1 एवियन इन्फ्लूएंजा के लिए सकारात्मक पाए गए हैं। झारखंड के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने कहा कि बर्ड फ्लू के कुछ मामले समाचार पत्रों के माध्यम से प्रकाश में आए हैं। पशुपालन मंत्री इस पर संज्ञान लेंगे और यथा उचित कार्रवाई करेंगे। किसी को भी डरने की कोई जरूरत नहीं है। जब–जब बर्ड फ्लू आया है, मैंने ज्यादा मुर्गा खाया है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि झारखंड के पशुपालन विभाग ने मुर्गियों में इस वायरस के लक्षण पाए जाने की सूचना मिलने के बाद इसके नमूने जांच के लिए भोपाल स्थित राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशु रोग संस्थान भेजे थे। उन्होंने बताया कि संस्थान ने शुक्रवार को एक नमूने में बर्ड फ्लू होने की पुष्टि की। राज्य के पशुपालन निदेशक चंदन कुमार ने भी रांची के उपायुक्त एवं जिला पशुपालन अधिकारी को इस संक्रमण से बचाव के लिए सभी एहतियातन कदम उठाने के निर्देश दिए हैं।

बिहार से तमिलनाडु जा रही 4 सदस्यीय टीम, नीतीश कुमार ने मजदूरों पर हमले की घटना को लेकर कही ये बात

तमिलनाडु के कई इलाकों में बिहार के लोकों के साथ हुई कथित मारपीट के मुद्दों को लेकर वहां की सत्ता पक्ष और विपक्ष आमने–सामने हैं। बिहार सरकार की ओर से उपमुख्यमंत्री विधानसभा मे तेजस्वी यादव ने कहा कि ऐसी कोई घटना नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि वहां के पुलिस महानिदेशक ने स्वयं ऐसी किसी भी घटना से इंकार किया है। इधर, नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि वहां से लोगो का फोन आ रहा है। वही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की तरफ से भी बयान आया है। नीतीश सरकार की तरफ से एक टीम मामले को देखने के लिए तमिलनाडु का दौरा करने वाली है। तमिलनाडु में कथित तौर पर बिहार के श्रमिकों पर हुए हमले पर बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश

कुमार ने कहा कि जब अखबार के माध्यम से मुझे जानकारी मिली तो मैंने अधिकारियों से मामले के बारे में जानकारी निकालने को कहा। कल टीम भेजने के लिए बोला गया है, वह टीम जा रही है और एक–एक चीज देखेगी।

इससे पहले बिहार विधानसभा के बजट सत्र में तमिलनाडु के कई इलाकों में बिहार के लोकों के साथ हुई कथित मारपीट को लेकर बीजेपी ने जोरदार हंगामाकिया। सदन की कार्यवाही शुरू होते ही बीजेपी के विधायकों ने तमिलनाडु में बिहार के लोगों के साथ मारपीट करने और धारदार हथियार से हमले की घटना को उठाया। इससे पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने बिहार विधानसभा में बोलते हुए तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक के उस व्यक्तव्य का जिक्र किया था जिसमें उस राज्य में हिंदी भाषी लोगों पर हमलों की खबरों को खारिज कर दिया गया था। बिहार में विपक्षी भाजपा द्वारा तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन के जन्मदिन के अवसर पर आयोजित एक समारोह में भाग लेने को लेकर तेजस्वी की आलोचना की गयी थी। तेजस्वी की पार्टी राजद की तरह द्रमुक के प्रमुख स्टालिन कांग्रेस और वामदल के गठबंधन सहयोगी हैं।

जी–20 पर अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेश

ओबरा(सोनभद्र) नगर के राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शुक्रवार को एक दिवसीय अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन धारणीय वैश्विक विकास की सम्भावनायें एवं जी–20 में भारतीय नेतृत्व विषय पर हुआ।ऑफलाइन व ऑनलाइन माध्यम से आयोजित अन्तर्राष्ट्रीय संगोष्ठी की अध्यक्षता प्राचार्य प्रो. प्रमोद कुमार के द्वारा की गयी और संगोष्ठी के स्मारिका का अनावरण भी हुआ। कार्यक्रम का संयोजन प्रो. किशोर कुमार सिंह एवं आईक्यूएसी समन्वयक डा. महेन्द्र प्रकाश ने किया। कार्यक्रम का संचालन करते हुए हिन्दी के प्राध्यापक डा. रंजीत सिंह ने सभी आमंत्रित वक्ताओं का स्वागत किया।आमंत्रित वक्ता में सबसे पहले भारत की ओर से गुवाहाटी,असम की प्रोफेसर बिदिशा बोरा ने भारत के जी–20 में अध्यक्षता व चुनौतियों को

सबके सामने रखा। संगोष्ठी में जापान के विदेश मंत्रालय के शोध अधिकारी डा. यासुयुकि इशिदा टोक्यो से वर्चुअली जुड़कर जी–20 की वैश्विक भूमिका व भारत–जापान मित्रता के मायने पर अपना विचार रखा। उन्होंने कहा कि भारत इस वर्ष जी–20 की अध्यक्षता कर रहा है, जिसमें जापान सदस्य है। जलवायु परिवर्तन, स्वच्छ ऊर्जा एवं अन्तर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना में सुधार दोनों देशों की नीतिगत वरीयता है, जिसे दोनों देश की सरकार आगे बढ़ा रही है। विशेष वक्ता काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के एसोसिएट प्रोफेसर गोविन्द इनखिया ने धारणीय विकास को विश्व के लिए जरूरी बताया। रिसोर्स पर्सन केन्द्रीय विश्वविद्यालय, गया बिहार के डा. अभय ने विकासशील और विकसित देशों के मध्य आर्थिक निवेश बढ़ाने पर जोर दिया। विक्रम विश्वविद्यालय, उज्जैन के डा. वीरेन्द्र चावरे ने वैश्विक पर्यावरण के समक्ष चुनौतियों पर जोर दिया और कहा कि आने वाले समय में भारत की भूमिका पर्यावरण संरक्षण में और महत्वपूर्ण होने जा रही है। इसी क्रम में केन्द्रीय उच्च तिब्बती शिक्षा संस्थान के डा. अमित मिश्र, प्रोफेसर रज्जू भैया विश्वविद्यालय के डा. अतुल वर्मा, डा. संतोष चौबे, डा. प्रियंका, डा. मेघना, वाराणसी अग्रसेन कन्या महाविद्यालय की सोनम चौधरी, इसी महाविद्यालय के डा. संतोष सैनी, डा. अमूल्य सिंह, प्रो. राधाकांत पाण्डेय तथा शोधार्थी आकृति, शिशिर, विवेक आदि ने भी अपने विचार का प्रस्तुतीकरण किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के डा. विकास कुमार, डा. किरण, डा. उपेन्द्र, डा. राजेश, डा. विभा, डा. विजय, डा. महीप, डा. बीना, डॉ मीरा,डॉ वैशाली के साथ तमाम छात्र–छात्रा एवं कार्यालय के प्रमोद केशरी,धर्मेन्द्र,महेश अरुण,ऑनलाइन जुड़े हुए श्रोतागण आदि उपस्थित रहे।

बरसाने के रंग में रंगा फुलवारी पब्लिक स्कूल का प्रांगणं

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। फुलवारी पब्लिक स्कूल के प्रांगण में होली उत्सव का आयोजन किया गया। जिसमे बच्चों ने मटकी फोड़कर होली उत्सव की शुरुआत की । इसके बाद रंग बिरंगे गुलाल से एक दूसरे के साथ होली उत्सव मनाया। विद्यालय की प्रबंधिका श्रीमती नीता सिंह जी ने बच्चों को होलिका और प्रहलाद की कहानी सुनाई और बच्चों को ये शुभकामनाएं दी की होली के रंगों की तरह आपकी जिंदगी भी सदैव रंग बिरंगी रहे। वही विद्यालय की प्रधानाचार्या सुश्री शैव्या मिश्रा ने होलिका दहन करके बच्चों को होली की शुभकामनाएं दी । इसके बाद प्री–प्राइमरी से यूकेजी तक के बच्चों ने फूलों की होली खेली जिसे देखकर बरसाने की होली का चित्रण सामने आ गया। विद्यालय से वापस जाते समय हर एक बच्चा रंग बिरंगा दिखा और हर एक बच्चे के चेहरे पे उत्साह साफ नजर आया। जिसमें फुलवारी पब्लिक स्कूल के उप– प्रधानाचार्य अभिषेक शर्मा, समन्वयक सौम्या द्विवेदी, ऑफिस निरीक्षक हर्षित सिंह, राहुल पांडेय विद्यालय निरीक्षक ज्योति चौरसिया और अध्यापक गण ज्ञानेंद्र सिंह , चांदनी दुबे,बिमला, श्रीजना , सोनू शुक्ला, अंजली , निशी , दिनेश सोनी, सूर्यकांत , राहुल, कुसुम छेत्री, संगीता, श्वेता, सीता और आलोक द्विवेदी तथा विद्यालय के कर्मचारी गण जितेंद्र सिंह, पवन मिश्रा, देवता प्रसाद, राजित राम यादव, ननके, राजकुमार, राम सजन, राम दयाल, विनय पांडेय, गीता देवी, आशा देवी, माया देवी आदि मौजूद रहे।

शक्ति स्मारक संस्थान का वार्षिकोत्सव समारोह संपन्न,रंगारंग कार्यक्रमों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ आयोजित

मोबाइल टैबलेट पाने से छात्र छात्राओं के चेहरे खिले,एक प्यार का नगमा हैं ग्रुप सश्न एवं विभिन्न कार्यक्रमों पर झूमे छात्र छात्राएं

दैनिक बुद्ध का संदेश

बलरामपुर,तुलसीपुर। कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह द्वारा संस्थापित शक्ति स्मारक महाविद्यालय में रंगारंग कार्यक्रमों के साथ वार्षिकोत्सव एवं मोबाइल टैबलेट वितरण समारोह का हुआ आयोजन। शक्ति स्मारक संस्थान में शनिवार को आयोजित वार्षिकोत्सव समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष कुश्ती महासंघध्कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह मुख्य अतिथि के रूप में सम्मिलित हुए।विभिन्न रंगारंग कार्यक्रमों,आयोजनों एवं छात्र छात्राओं को मोबाइल टैबलेट के वितरण के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ,महाविद्यालय के छात्र शुभांशु एवं महाविद्यालय की छात्रा अदिति ने ग्रुप सॉन्ग की प्रस्तुति की तथा विभिन्न एकल नृत्य,एकल गायन आदि के कार्यक्रम हुए।छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए विधायक सदर पल्टूराम ने अपने उद्बोधन में कहा कि देवीपाटन मंडल में शिक्षा की अलख जगाने में और शैक्षिक पिछड़ेपन को दूर करने में निश्चित ही सांसद बृजभूषण शरण सिंह का महत्वपूर्ण योगदान है।

आप सभी छात्र छात्राएं देश का भविष्य हैं।छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए विधायक तुलसीपुर कैलाश नाथ शुक्ला ने कहा कि बच्चों द्वारा किए गए सभी कार्यक्रम सराहनीय हैं।आज इस सांस्कृतिक कार्यक्रम से निश्चित ही बच्चों में बौद्धिक क्षमता का विकास होगा। शक्ति स्मारक संस्थान निश्चित ही शिक्षा क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रहा हैं।संस्थापकध्सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह ने छात्र छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि यहां मौजूद हर एक बच्चा देश का भविष्य हैं।भगवान की कृपा से यदि धारती पर मानव रूप में जन्म मिला हैं,तो आप बच्चे अपनी क्षमता और योग्यता से अपने तीन पीढ़ियों का भविष्य तय कर सकते हैं।बृजभूषण शरण सिंह ने अपने संबोधन में रामधारी सिंह दिनकर, तुलसीदास,कबीरदास की लिखी विभिन्न पंक्तियों से छात्र छात्राओं को उज्जवल भविष्य के लिए प्रेरित किया।

इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सदर विधायक पल्टूराम,पूर्व मंत्री हनुमंत सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेष

तुलसीपुर विधायक कैलाश नाथ शुक्ला,पूर्व सांसद दहन मिश्रा,जिला पंचायत अध्यक्ष आरती तिवारी,पूर्व जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश सिंह,जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंह,डी पी सिंह बैस,बृजेंद्र तिवारी,वरुण सिंह,अवधेश तिवारी,ब्लॉक प्रमुख प्रतिनिधि गोविंद सोनकर,प्रवीण सिंह विक्की,राम कृपाल शुक्ला,कृष्ण गोपाल गुप्ताडॉ अजय सिंह,पूर्व चेयरमैन कुसुम चौहान,अनूप चंद्र गुप्ता,वैष्णवी सिकरवार,शैलेंद्र सिंह,अपूर्व सिंह,अक्षय शुक्ला,संजय शर्मा,संदीप वर्मा,हरिवंश सिंह आदि समेत महाविद्यालय के समस्त अध्यापक,अध्यापिकाएं,छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

पुलिस ने धोखाधड़ी करने वाले एक अभियुक्त को गिरफ्तार कर भेजा न्यायालय

दैनिक बुद्ध का संदेश

अलावल देवरिया गोंडा। पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही के निर्देश जनपद के समस्त प्रभारी निरीक्षकों थानाध्यक्षों को दिये थे। उक्त क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक व क्षेत्राधिकारी तरबगंज गोण्डा के कुशल निर्देशन मे व प्रभारी निरीक्षक मनोज पाठक थाना तरबगंज गोण्डा के नेतृत्व मे थाना तरबगंज पुलिस द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत अभियोग मु0अ0सं0 327ध2022 धारा 419ध420ध467ध468ध471ध504ध506ध120बी भादवि मे वांछित चल रहे अभियुक्त अजय कुमार सिंह पुत्र राजेन्द्र सिंह निवासी सुसेला थाना तरबगंज जनपद गोण्डा को गिरफ्तार किया गया प्रभारी निरीक्षक मनोज पाठक ने बताया कि अभियुक्त मुकदमा उपरोक्त मे फर्जी बैनामा मे मुकदमा वादी के साथ धोखाधड़ी किये थे जिसे गिरफ्तार कर न्यायालय भेजा गया । गिरफ्तारकर्ता टीम में उ0नि0 सोम प्रताप सिंह, हे0का0 हरेन्द्र कुमार, का0 राजवीर सिंह, का0 नीरज वर्मा , का0 अरुण वर्मा शामिल रहे।

अपहरण की सूचना पर चौकी प्रभारी ने दिखाई तत्परता,बच्चे को सकुशल किया बरामद

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोण्डा। शनिवार को थाना उमरीबेगमगज क्षेत्र के अन्तर्गत राहुल यादव निवासी गोपालपुर थाना उमरीबेगमगंज जनपद गोण्डा ने थाना उमरीबेगमगंज पुलिस को सूचना दिया कि मेरे लड़के का अपहरण कर लिया गया है। उक्त सूचना पर चौकी प्रभारी नियावा ने घटना का संज्ञान लेते हुए रामसिंह के कब्जे से मात्र 1 घण्टे के अन्दर बच्चे को सकुशल बरामद कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। अपनो से मिलकर बच्चे व परिजनों के चेहरे पर मुस्कान लौटी तथा परिजनो ने गोण्डा पुलिस को बहुत–बहुत धन्यवाद दिया। उक्त सराहनीय कार्य की आमजनमानस में भी काफी सराहना की जा रही है। पुलिस द्वारा दी गई जानकारी के मुताबिक घटना इस प्रकार है कि रामसिंह पुत्र स्व0 इन्द्रबहादुर सिंह निवासी नया घाट अयोध्या नशे की हालत में राहुल सिंह को परास पट्टी मझवार में मूनेशरी देवी के स्थान पर मिला था राहुल यादव ने रामसिंह को अपने घर ले गया तथा अपने घर पर ही सुलाया। सुबह हुआ तब रामसिंह ने राहुल से पूछकर उसके लड़के को टॉफी दिलाने के लिए गया था लेट होने पर राहुल यादव ने पुलिस को अपहरण की सूचना दे दिया था।

परसपुर थाने में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पीस कमेटी की की गई बैठक

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनकापुर गोंडा ! पुलिस अधीक्षक गोण्डा आकाश तोमर के निर्देशन में सीओ करनैलगंज द्वारा थाना परसपुर पर आगामी त्यौहार होली व शबे–बरात के दृष्टिगत संभ्रांत व्यक्तियों के साथ पीस कमेटी की मीटिंग कर आगामी त्यौहार होली को सकुशल एवं शांतिपूर्वक मनाने की अपील की गयी।पुलिस अधीक्षक गोंडा आकाश तोमर के निर्देश पर आगामी होली का त्यौहार एवं शबे बारात लोहार को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए थाना परसपुर में शांति व्यवस्था के लिए पीस कमेटी की बैठक की गई जिसमें सीओ करनैलगंज थाना प्रभारी निरीक्षक परसपुर व क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्ति मौजूद रहे। इस दौरान सीओ करनैलगंज व थाना प्रभारी निरीक्षक परसपुर ने मौजूद लोगों को जागरूक करते हुए बताया कि आगामी होली का त्यौहार शबे बारात का त्यौहार सभी लोग मिलजुल कर मनाएं आपसी भाईचारे के साथ जिससे शांति व्यवस्था कानून व्यवस्था बनी रहे बैठक में पुलिसकर्मियों के अलावा पंडित पुजारी मौलाना सहित अन्य लोग मौजूद रहे!

थानाध्यक्ष छावनी ने ग्रामों में होलिका दहन स्थल का घूम घूम कर किया गया निरीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेष

बस्ती। पुलिस अधीक्षक बस्ती आशीष श्रीवास्तव के आदेश के क्रम मे जनपद बस्ती मे अपराध एवं अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के दृष्टिगत अपर पुलिस अधीक्षक बस्ती दीपेन्द्रनाथ चौधरी के निर्देश व क्षेत्राधिकारी हरैया शेषमणि उपाध्याय के निकट पर्यवेक्षण मे थानाध्यक्ष श्री दुर्गेश कुमार पांडेय द्वारा थाना छावनी के समस्त ग्रामों में होलिका दहन स्थल का निरीक्षण किया गया और गांव के ग्राम प्रधान व संभ्रांत व्यक्तियों से कहा गया कि यह होली का बहुत बड़ा त्यौहार है इसे खुशी राजी से मनाएं इसमें किसी प्रकार की समस्या उत्पन्न ना हो थानाध्यक्ष महोदय द्वारा बताया गया किहिन्दू धर्म के अनुसार होलिका दहन मुख्य रूप से भक्त प्रहलाद की याद में किया जाता है। भक्त प्रहलाद राक्षस कुल में जन्मे थे परन्तु वे भगवान नारायण के अनन्य भक्त थे। उनके पिता हिरण्यकश्यप को उनकी ईश्वर भक्ति अच्छी नहीं लगती थी इसलिए हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को अनेकों प्रकार के जघन्य कष्ट दिए। उनकी बुआ होलिका जिसको ऐसा वस्त्र वरदान में मिला हुआ था जिसको पहन कर आग में बैठने से उसे आग नहीं जला सकती थी। होलिका भक्त प्रहलाद को मारने के लिए वह वस्त्र पहनकर उन्हें गोद में लेकर आग में बैठ गई। भक्त प्रहलाद की विष्णु भक्ति के फलस्वरूप होलिका जल गई और प्रहलाद का बाल भी बांका नहीं हुआ। शक्ति पर भक्ति की जीत की खुशी में यह पर्व मनाया जाने लगा। साथ में रंगों का पर्व यह सन्देश देता है किहिन्दू धर्म के अनुसार होलिका दहन मुख्य रूप से भक्त प्रहलाद की याद में किया जाता है। भक्त प्रहलाद राक्षस कुल में जन्मे थे परन्तु वे भगवान नारायण के अनन्य भक्त थे। उनके पिता हिरण्यकश्यप को उनकी ईश्वर भक्ति अच्छी नहीं लगती थी इसलिए हिरण्यकश्यप ने प्रहलाद को अनेकों प्रकार के जघन्य कष्ट दिए। उनकी बुआ होलिका जिसको ऐसा वस्त्र वरदान में मिला हुआ था जिसको पहन कर आग में बैठने से उसे आग नहीं जला सकती थी। होलिका भक्त प्रहलाद को मारने के लिए वह वस्त्र पहनकर उन्हें गोद में लेकर आग में बैठ गई। भक्त प्रहलाद की विष्णु भक्ति के फलस्वरूप होलिका जल गई और प्रहलाद का बाल भी बांका नहीं हुआ। शक्ति पर भक्ति की जीत की खुशी में यह पर्व मनाया जाने लगा। साथ में रंगों का पर्व यह सन्देश देता है कि काम, क्रोध,मद,मोह एवं लोभ रुपी दोषों को त्यागकर ईश्वर भक्ति में मन लगाना चाहिए। काम, क्रोध,मद,मोह एवं लोभ रुपी दोषों को त्यागकर ईश्वर भक्ति में मन लगाना चाहिए।

बृद्ध व्यक्ति का गेहूँ के खेत मे शव मिला

दैनिक बुद्ध का संदेश

मनकापुर गोंडा। बलरामपुर बार्डर थाना छपिया स्थित बुधईपुर और भिखारी पट्टी के रास्ते में गेहूं के खेत में राम बहोर पुत्र राम अधार उम्र 62 वर्ष ग्राम सेहरी हरदो थाना खोड़ारे की शव पड़ी मिली, परिजनों के मुताविक मृतक दो दिन से घर से गायब था, मृतक की पत्नी माना देवी ने खोंडारे थाने पर गुमशुदगी दर्ज कराई थी जिसकी पुलिस जांच कर रही थी। मृतक की पत्नी के मुताबिक वह शराब के आदी थे। थानाध्यक्ष छपिया सातानंद पांडेय ने बताया कि शव का पंचायत नामा कर शव को जिलामुख्यालय पर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा जा रहा है।

इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल नवाबगंज का स्थापना दिवस संपन्न, मेधावी बच्चों को किया गया सम्मानित

दैनिक बुद्ध का संदेश

मोतीगंज(गोंडा) इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल नवाबगंज में वार्षिकोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। स्थापना दिवस समारोह की शुरुआत कैसरगंज सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया। इंदिरापुरम पब्लिक स्कूल में वार्षिकोत्सव बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति के दौरान बच्चों ने इंद्रधनुष के रंग की छटा बिखेरी। छात्रों ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया। प्रबंधक नेहा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया। कार्यक्रम के दौरान छात्रों ने समूह गीत, समूह नृत्य, हिंदी और अंग्रेजी नाट्य मंचन के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। शैक्षणिक गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को मुख्य अतिथि ने सम्मानित किया। इस अवसर पर अपने अभिवादन में मुख्य अतिथि ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों द्वारा प्रदर्शित नैतिक मूल्यों, आदर्शों एवं समसामयिक विषयों की सराहना की। प्रधानाचार्य डा. मधु मिश्रा ने बच्चों के नैतिक मूल्यों को विकसित करने में माता – पिता एवं शिक्षकों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। कार्यक्रम के समापन पर छात्रों ने नमामि हो एवं गिटार वादन प्रस्तुत किया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

होली के अवसर पर धर्म रक्षा मंच के तत्वाधान में नरसिंह भगवान की निकाली जायेगी भव्य शोभायात्रा

शोभायात्रा में शामिल होंगे भारी संख्या में लोग

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज सिद्धार्थनगर। शुक्रवार देर सांय शाहपुर स्थित हिन्दू भवन पर धर्म रक्षा मंच के मुख्य संरक्षक व पूर्व विधायक राघवेन्द्र प्रताप सिंह के नेतृत्व व अध्यक्ष विनोद उर्फ पप्पू श्रीवास्तव की अध्यक्षता में होली पर भगवान नरसिंह जी की आरती व भव्य शोभायात्रा कार्यक्रम की सफलता हेतु तैयारी बैठक कर रणनीति बनाई गई। धर्म रक्षा मंच के संरक्षक राघवेन्द्र प्रताप सिंह ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोग बैदौला चौराहा पर एकत्रित होकर भगवान नरसिंह जी की आरती करने के उपरान्त भगवान नरसिंह की भव्य झांकी व शोभायात्रा में शामिल होंगे। शोभायात्रा बैदौला चौराहा से प्रारम्भ होकर मन्दिर चौराहा, थाना, पुरानी बाजार होते हुए हनुमान मंदिर तेलियाना मोहल्ला पहुंचकर प्रसाद वितरित कर समाप्त की जाएगी तथा शाम को हिन्दू भवन पर होली मिलन का आयोजन किया जायेगा। उन्होंने सभी से इस बार गुलाल का टीका लगाकर एक दूसरे से सौहार्द और शांतिपूर्ण तरीके से होली त्योहार मनाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि होली सहित अन्य त्योहारों के समय जो लोक परंपराएं थीं, वे आज समाप्त होती जा रही हैं। बहुत कम युवाओं को अपनी माटी से जुड़ी परंपराओं की जानकारी होती है। पुराने समय के दौरान त्योहारों पर जो उत्सव और उल्लास होता था, उसका सामाजिक तौर पर आपसी संबंधों को मजबूत रखने में अहम योगदान रहा है। अब ये त्योहार केवल औपचारिकता बनकर रह गए हैं। ऐसे में अपनी परंपरा को जीवित रखने के लिए त्योहारों को फिर से उसी पुराने अंदाज में मनाने की जरूरत महसूस की जा रही है। उत्साह व उमंग के साथ– साथ इस त्योहार में स्वास्थ्य का भी ख्याल रखना जरूरी है। रंग के इस त्योहार में सावधानी नहीं बरतने पर काफी नुकसान हो सकता है। ऐसे में जरूरी हो गया है कि रासायनिक व कैमिकल युक्त रंगों को त्याग कर गुलाल व फूलों से होली खेली जाएं। उन्होंने भगवान नरसिंह महाआरती आयोजन समिति भरत चौक(बैदौला चौराहा) का गठनकर लोगों को जिम्मेदारियां देते हुए सभी से कार्यक्रम की भव्यता हेतु तैयारियों में जुट जाने का तथा सभी हिन्दू जनमानस से भारी से भारी संख्या में कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आवाहन किया हैं। धर्म रक्षा मंच के अध्यक्ष विनोद श्रीवास्तव ने बताया कि होली का त्योहार सात और आठ मार्च को मनाया जाएगा। सात मार्च को होलिका दहन होगा। वहीं आठ मार्च को रंग खेला जाना है। पिछले वर्ष की भारी भीड़ को देखते हुए इस बार प्रशासन के साथ–साथ धर्म रक्षा मंच के सभी पदाधिकारी टोलियों में बांट कर मुस्तैद रहेंगे किसी प्रकार की कोई अव्यवस्था न फैले इस पर विशेष ध्यान रहेगा। इस दौरान नरेन्द्र मणि त्रिपाठी, बिंदराज सोनी, राजेश शर्मा, लवकुश ओझा, राजीव कुमार, शत्रुहन सोनी, अशोक अग्रहरि, चंद्रभान अग्रहरि, सुगंध अग्रहरि, सोनू गुप्ता, शैलेश सिंह, हरीश पाण्डेय, संजय मिश्रा, विंदराज गिरि, अर्जुन आदि सहित भारी संख्या में लोग उपस्थित रहें।

ग्राम पंचायत चौपाल में सुनी गई समस्या'

दैनिक बुद्ध का संदेष

उसका बाजार सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड उसका बाजार के

ग्राम पंचायत कटकी और चोरई द्वितीय में शुक्रवार को चौपाल लगाकर समस्या सुनी गई ग्राम पंचायत कटकी में फूलचंद ,इंद्रावती और झीनक ने आवास से संबंधित ,किसान सम्मान निधि और राशन कार्ड की समस्या चौपाल में रखा गया वही चोरई द्वितीय में राम लगन ,महेंद्र और रूपेश ने किसान सम्मान निधि न आने को लेकर समस्या लोगो ने उठाई चौपाल में विभागीय कर्मचारी ने लोगो को समस्या सुनकर भरोसा दिलाया ।वही खण्ड विकास अधिकारी नीरज जायसवाल ने जानकारी देते हुए कहे कि ग्राम पंचायत कटकी और चोरई द्वितीय में दोनो मिलकर सात लोगों ने अपनी समस्या बताई और समस्त विभागीय कर्मचारी को देकर निर्देशित भी किया गया है ।इस चौपाल में सहायक विकास अधिकारी संजय पांडेय, ग्राम विकास अधिकारी अलका वर्मा , ग्राम विकास अधिकारी शैलेंद्र गुप्ता और कृषि कर्मचारी अरुण कुमार मौजूद रहे।

एएसपी ने होली पर्व को लेकर किया पैदल गस्त, दिए निर्देश।

दैनिक बुद्ध का संदेष

सिद्धार्थनगर।सदर थाना के पुलिस चौकी नौगढ़ में शनिवार

सांय अपर पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ ने जवानों के साथ कस्बा में पैदल गस्त कर सुरक्षा का अहसास कराया गया। होली, शबे बारात को लेकर लोगो से संवाद करते हुए, शांति भाव में त्योहार मनाने को कहा गया। शांति में खलल डालने वाले लोगो के बारे में आम जान मानस से सूचना देने की बात कही। उन्होंने कहा अराजक तत्वों पर पुलिस की पैनी नजर रहेगी। त्योहार को सौहार्द पूर्ण मनवाने के लिए पुलिस अपनी तत्परता बनाएं रहेगी। चौकी क्षेत्र में शांति व्यवस्था कायम के लिए चौकी प्रभारी को निर्देशित किया गया है। पैदल गस्त के दौरान चौकी प्रभारी अनूप मिश्रा,शैलेंद्र यादव,जनार्दन पटेल,हरेंद्र यादव, दीना नाथ सहित पुलिस कर्मी शामिल रहें

कृषि विज्ञान केन्द्र सोहना में बच्चों को मृदा स्वास्थ्य के बारे में जागरूक किया

दैनिक बुद्ध का संदेष

भनवापुर।षनिवार को कृषि विज्ञान केन्द्र सोहना सिद्धार्थनगर में

पूर्व माध्यमिक विद्यालय जखोली डुमरियागंज एवं पूर्व माध्यमिक विद्यालय हाथपरा सिद्धार्थनगर के छात्रों नें कृषि विज्ञान केंद्र सोहना सिद्धार्थनगर का भ्रमण किया। केन्द्र के मृदा विशेषज्ञ प्रवेश कुमार नें बच्चों को को मृदा के निर्माण, मृदा के कार्यों, भारत में पाई जाने वाली मृदाओ के बारे में, क्षारीय एवं अम्लीय मृदाओ के निर्माण उनका भारत में वितरण और उसर मृदा के सुधार की लिये जिप्सम के प्रयोग की जानकारी दी एवं अम्लीय मृदाओं के निर्माण एवं उसके सुधार के लिये चुना का प्रयोग करने के बारे में जानकारी दी और मृदा परिक्षण प्रयोगशाला का भ्रमण करके प्रयोगशाला के उपकारणों के बारे में जानकारी दी एवं डॉ एस के मिश्रा नें बच्चों को मृदा स्वास्थ्य के बारे में बताया एवं मृदा को स्वास्थ्य रखने के लिये मृदा में हरी खाद, गोबर की खाद का प्रयोग करें और मृदा परिक्षण के आधार पर उर्वरकों का संतुलित प्रयोग करें द्य डॉ. मार्कण्डेय सिंह नें बच्चों को बताया की फसल अवशेष को खेत में ही सड़ायें जिससे मृदा में उपस्थित केंचुआ एवं सूक्ष्मजीव फसल अवशेष को सड़ते हैं और मृदा को उपजाऊ बनाते हैं । फसल अवशेष जलाने से मृदा की उर्वरा शक्ति नष्ट हो जाती हैं और वातावरण भी दूषित हो जाता हैं इसलिए फसल अवशेष को जलाना नहीं है बल्कि खेत में सड़ना है नीलम सिंह नें बच्चों को स्वास्थ्य रहनें के लिये मौसमी सब्जियों फलों दूध आदि को खाएंगे और स्वास्थ्य रहे। कार्यक्रम में अभिषेक कुमार सहयक अध्यापक विज्ञान पूर्व माध्यमिक विद्यालय जखोली डुमरियागंज एवं मारूत पाण्डेय सहयक अध्यापक विज्ञान पूर्व माध्यमिक विद्यालय हाथपारा उपस्तिथि रहे।

न्याय एक संकल्प सं. के द्वारा होली मिलन समारोह का आयोजन

दैनिक बुद्ध का संदेष

सिद्धार्थनगर। न्याय एक संकल्प सं. के द्वारा होली मिलन समारोह में शामिल होकर 200 महिलाओं को अंग वस्त्र (साड़ी) एवं बुजुर्गों को भी अंग वस्त्र सभी लोगो ने मिलकर दिया ।कार्यक्रम न्याय एक संकल्प के कार्यालय ग्राम भिटिया मिश्र,थाना जोगिया,सनईध्नौगढ़ के अंतर्गत किया गया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री सतीश द्विवेदी मौजूद रहे ।संगठन के अध्यक्ष राम कृष्ण पांडेय ने कहा कि जो भी ईश्वर ने दिया है उसमें कुछ ना कुछ अच्छा कार्य करने का प्रयास न्याय एक संकल्प के द्वारा किया जाता रहा है और हमेशा होता रहेगा,सर्वजन हित पार्टी के अध्यक्ष श्याम नारायण चौबे मौजूद रहे एवं राम कृष्ण पांडेय की तारीफ करते हुए कहा कि यह हमेशा समाज में कुछ अच्छे कार्यों को कर लोगों के हितों के लिए कार्य करते हैं ।इसमें लगभग 3 ग्राम सभा की महिलाएं एवं पुरुष शामिल कार्यक्रम में लगभग 400 लोग सम्मिलित हुए और अबीर–गुलाल लगाकर एक दूसरे को बधाई दिया । कार्यक्रम में मुख्य रूप से पदाधिकारी विशेष सहयोग वासुदेव पांडेय,अजय वर्मा, आर्यन पांडेय,विनय पंडित,सुधीर पांडेय(फरसा बाबा),आशीष पांडेय, दिनेश मिश्र,नवीन सोनी,बृजपाल मिश्र,राघवेंद्र मिश्रा गंगा,जितेंद्र मिश्र,पंकज मिश्र,ओंकार नाथ त्रिपाठी,भुवनेश्वर मिश्र,सुरेंद्र मिश्र,मंगल मिश्र,विकास पांडेय, अजय भान,योगेंद्र मिश्र, सहित न्याय एक संकल्प के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहे ।

तहसील दिवस में फिर प्रभावी रहा राजस्व का मामला,32 शिकायतों में मात्र दो का निस्तारण

दैनिक बुद्ध का संदेष

बांसी । स्थानीय तहसील सभागार में तहसील समाधान दिवस मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की अध्यक्षता में शनिवार को संपन्न हुआ। पूर्वान्ह 10.30 से चले कार्यक्रम में समस्या लेकर आने वालों की संख्या औसत रही। इस दौरान कुल 32 मामले प्रस्तुत हुए, जिसमें राजस्व विभाग फिर शीर्ष पर रहा। आए हुए मामलों में राजस्व के 18,पुलिस विभाग के 06 , विकास के 02, विद्युत विभाग से 02, सहायक कृषि का 01 तथा सहायक चकबंदी के 03 मामलों सहित कुल 32 मामले प्रस्तुत हुए । मौके पर राजस्व विभाग के सिर्फ 02 मामलों का ही निस्तारण संभव हुआ। मुख्य विकास अधिकारी ने शेष मामलों को संबंधित विभाग के जिम्मेदारों को सौंप कर शीघ्र निस्तारण करने का निर्देश दिया। इस दौरान उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार, तहसीलदार संजीव दीक्षित व पुलिस क्षेत्राधिकारी देवी गुलाम के अतिरिक्त अन्य विभागों के जिम्मेदार अधिकारी भी मौजूद रहे। इस बारे में उपजिलाधिकारी प्रमोद कुमार ने कहा कि शेष मामलों को शीघ्र निस्तारण के निर्देश के साथ संबंधित विभाग के अधिकारियों को सौंप दिया गया है!

केन्द्रीय विद्यालय के छात्रों का हुआ निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण

दैनिक बुद्ध का संदेष

बस्ती। शनिवार को जिला चिकित्सालय के आयुष चिकित्साधि

ाकारी, वरिष्ठ चिकित्सक डा. वी.के. वर्मा ने चिकित्सकों की टीम के साथ केन्द्रीय विद्यालय के लगभग 808 बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। चिकित्सकों ने छात्रों के खान, पान, बीमारियों का परीक्षण करने के साथ ही उन्हें स्वस्थ रहने के तरीके बताये। कुछ छात्रों को जिला अस्पताल बुलाया गया है जिससे उनकी सघन जांच कर इलाज कराया जा सके।केन्द्रीय विद्यालय के प्रधानाचार्य मयंक कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि डा. वी.के. वर्मा, डा. राजेश चौधरी, डा. श्यामनरायन और फार्मासिस्ट मनीष चौधरी, विकास चौधरी, विनय मौर्या एवं अन्य स्वास्थ्य कर्मियों के साथ ही विद्यालय के शिक्षक रामकेश, रंजीत विश्वकर्मा, मनोज कुमार सोनकर, अरविन्द कुमार, जर्नादन प्रसाद यादव आदि ने छात्रों के स्वास्थ परीक्षण में योगदान दिया।

फाग गाकर एक दूसरे को लगाया अबीर गुलाल'

दैनिक बुद्ध का संदेष

'सिद्धार्थनग। जनपद मुख्यालय स्थित रघुवर प्रसाद जायसवाल सरस्वती शिशु मंदिर इंटर कॉलेज तेतरी बाजार में 'होली मिलन समारोह' कार्यक्रम आयोजित किया गया। छात्रों समेत शिक्षकों ने एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर एक दूसरे को शुभकामनाएं दी । बतौर मुख्य अतिथि सम्बोधित करते हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग प्रचारक श्री श्रीप्रकाश जी ने कार्यक्रम की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा होली के दिन लोग गिले शिकवे भुलाकर एक–दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर गले मिलते हैं ।इसलिए यह पर्व सबसे खास माना जाता है आगे उन्होंने न कहा यह पर्व उमंग व उत्साह का है। लोग बाकायदा अबीर गुलाल उड़ाते हुए डी जे के धुन पर थिरकते हैं ,यही नहीं घर–घर जाकर गुझिया व गुलगुला खाकर आपसी सौहार्द को बढ़ावा देते हैं ।लेकिन उमंग व उत्साह में भी अपनी मर्यादा को नहीं भूलना चाहिए। अतिथियों का परिचय विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री राकेश मणि त्रिपाठी जी ने कराया। विद्यालय के अध्यक्ष श्री मुरलीधर अग्रहरी उपाध्यक्ष श्री गुलाब जी ,सह प्रबन्धक श्री सत्येन्द्र द्विवेदी व प्रबंध समिति के सदस्य श्री मदन सिंह ने भी होली की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बधाई दी । विद्यालय के भैया हर्षित चौबे, हेमंत पांडेय ,अभिषेक यादव, अहमद फारुख, दिव्यांशु पांडेय हिमांशु यादव के गीत 'खेले मसाने में होली दिगंबर ,भूत पिशाच बटोरी दिगंबर , ग्वाल बालों की टोली बनाया श्याम होली खेलने आया व जमुना किनारे मोरा गांव सांवरे होली खेलन आ जाइहो ने लोगों का मन मोह लिया। कार्यक्रम संयोजक श्री दिग्विजय नाथ मिश्र समेत आचार्य बंधुओं ने भी आपस में अबीर गुलाल लगाकर एक–दूसरे को शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर आचार्य बंधुओं समेत खंड शिक्षा अधिकारी श्री धर्मेंद्र पाल, आशुतोष , रामू यादव , अनूप जी, प्राइमरी विद्यालय की शिक्षिका आराधना पांडेय, ममता, मनीषा राजपूत किरण पांडेय, वाचस्पति चतुर्वेदी, अभय पाठक आदि की उपस्थिति उल्लेखनीय रही ।

सम्पादकीय

हालांकि फिर भी कानून होने के बाद भी इनका सख्ती से पालन नहीं होता है। ऐसे में एकमात्र राज्य बिहार में नजीर बना है जो साल 1992 से ही महिलाओं को दो दिन की स्पेशल मेंस्ट्रूअल लिख देता रहा है। हालांकि 1912 में, कोच्ची द्धवर्तमान एर्नाकुलम जिलाऋ की तत्कालीन रियासत में स्थित त्रिपुनिथुरा में सरकारी गर्ल्स स्कूल ...

आखिर पीरियड लीव से परहेज क्यों

हाल ही में सर्वोच्च अदालत में दाखिल जनहित याचिका ने एक बार फिर महिलाओं के बुनियादी हक की आवाज को सच के आईने में ला खड़ा किया है। इस याचिका के सुर्खियों में आने के बाद सार्वजनिक संवाद और मंथन के केंद्र में निश्चित ही महिलाएं और उनकी वर्षो पुरानी मांग आ गई है। आखिर इस अति महत्त्वपूर्ण और संवेदनशील विषय पर सिरे से विचार हो भी क्यों न? भारतीय समाज के लिए इस तरह की मांग अप्राकृतिक, अनुपयोगी और अलाभकारी जरूर हो सकती है, लेकिन ब्रिटेन, चीन, जापान, इंडोनेशिया, दक्षिण कोरिया और जांबिया जैसे समाज ने तो बहुत पहले इस दस्तक की गूंज को स्वीकार लिया था। और इसकी अनिवार्यता समझते हुए वहां के दफ्तरों और स्कूलों में बेझिझक इसकी मान्यता दे दी थी। महिला कर्मचारियों और छात्राओं को पीरियड्स यानी मासिक धर्म के दौरान छुट्टी के लिए सभी राज्यों को नियम बनाने का आदेश मानने वाली एक जनहित याचिका पर विचार करने के लिए सर्वोच्च न्यायालय में एक याचिका दर्ज की गई थी, लेकिन शीर्ष अदालत ने इसे सरकार का नीतिगत मामला बताते हुए खारिज कर दिया। कोर्ट की यह भी दलील थी कि पीरियड लीव की अनिवार्यता महिलाओं के लिए लाभकारी भी हो सकती है क्योंकि पीरियड के दौरान छुट्टी की अनुमति देने से नियोक्ता महिलाओं को काम पर रखने से परहेज करेंगे। हैरानी है कि एक मजबूत राष्ट्र की एक अति शक्तिशाली इकाई आज भी अपनी पारंपरिक सोच से निजात नहीं पा सकी है। यदि वास्तव में माननीय कोर्ट आधी आबादी को लेकर चिंतित है तो इस नियम को लागू करने के साथ सभी नियोक्ताओं से सख्ती से निपटने वाला कोई आदेश पारित करे यदि कोई भी नियोक्ता पीरियड लीव की आड़ में महिलाओं को नौकरी आदि में अड़ंगे डालता है। ये किसी से छुपा नहीं कि मासिक धर्म के दौरान महिलाओं और छात्राओं को कई तरह की शारीरिक और मानसिक कठिनाइयों से गुजरना पड़ता है। ऐसे में उन्हें पीरियड्स लीव दिए जाने के संबंध में आदेश पारित किए जाने चाहिए। यदि कानूनी धाराओं की भी बात करें तो 1961 के अधिनियम में महिलाओं से जुड़ी समस्याओं के लिए विस्तार से प्रावधान करता है। मातृत्व लाभ अधिनियम के तहत कानून के ये प्रावधान कामकाजी महिलाओं के मातृत्व और मातृत्व को पहचानने और सम्मान देने के लिए संसद या देश के लोगों द्वारा उठाए गए सबसे बड़े कदमों में से एक हैं। हालांकि फिर भी कानून होने के बाद भी इनका सख्ती से पालन नहीं होता है। ऐसे में एकमात्र राज्य बिहार में नजीर बना है जो साल 1992 से ही महिलाओं को दो दिन की स्पेशल मेंस्ट्रूअल लिख देता रहा है। हालांकि 1912 में, कोच्ची (वर्तमान एर्नाकुलम जिला) की तत्कालीन रियासत में स्थित त्रिपुनिथुरा में सरकारी गर्ल्स स्कूल ने छात्रों को उनकी वार्षिक परीक्षा के समय श्पीरियड लीव्य लेने की अनुमति दी थी, लेकिन इन छिटपुट उदाहरणों से काम चलने वाला नहीं। महिलाएं राष्ट्र और श्रम की महत्त्वपूर्ण इकाई हैय ऐसे में उन्हें ये हक दिया ही जाना चाहिए कि वे तकलीफ के दिनों में आराम करें। उनकी उत्पादक क्षमता प्रभावित न हो इसके लिए माननीय अदालत को याचिका पर पुनर्विचार करना चाहिए।

हनुमान जी के साथ वाल्मीकि को भी याद करते हैं तुलसीदास

गोस्वामी तुलसीदास जी भगवान श्रीराम के साथ उनके अनन्य भक्त श्री हनुमान जी को भी याद करते हैं। श्री राम चरित मानस के प्रारंभ में ही देववाणी संस्कृत में गोस्वामी जी लिखते हैं कि सीतारामगुणग्रामपुण्यारण्य विहारिणौ। वन्दे विशुद्ध विज्ञानौ कपीश्वर कपीश्वरौ।। अर्थात श्री सीताराम जी के गुण समूह रूपी पवित्र वन में विहार करने वाले , विशुद्ध विज्ञान संपन्न कवीश्वर श्री वाल्मीकि जी और कपीश्वर श्री हनुमान जी की मैं वंदना करता हूं। आप देखिए तो पाएंगे कि गोस्वामी तुलसीदास जी आदि कवि वाल्मीकि को प्रणाम करके समूची परंपरा का स्मरण करते हैं। वे रामायण के रचयिता श्री वाल्मीकि को आभार इसलिए ज्ञापित करते हैं क्योंकि वाल्मीकि जी ने भगवान श्री राम के नाम की महिमा का बखान किया है। उन्हें वे कवीश्वर की उपाधि से विभूषित करते हैं। गौरतलब है कि गोस्वामी जी भवभूति के नाम का स्मरण नहीं करते क्योंकि उनके आराध्य प्रभु श्रीराम सामान्य व्यक्ति की तरह व्यवहार करें यह बात गोस्वामी जी को रूचिकर प्रतीत नहीं होती। गोस्वामी जी को इस बात का भान है कि उनके आराध्य प्रभु श्री राम लीला पुरुषोत्तम भगवान श्री राम हैं। गोस्वामी जी श्रीरामचरित मानस में भगवान श्री राम की कथा के प्रारंभ के पूर्व अध्यात्म और भारतीय सांस्कृतिक मनीषा के सभी आधार स्तंभों की वंदना करते हुए उन्हें प्रणाम करते हैं। संस्कृति और संस्कृत भाषा के समेकन की परंपरा के स्मरण के पीछे उनकी अवधी भाषा में श्री राम कथा की पूरी तैयारी दिखलाई पड़ती है। वे भक्तिकाल के चेतना संपन्न कवि हैं जिसमें श्री राम कथा की मार्मिकता का विभिन्न तरीके से जन वाणी में संगुम्फन है। गोस्वामी तुलसीदास जी के लिए सेवक ध र्म भी महत्त्वपूर्ण है इसलिए वे श्री हनुमान जी महाराज को कपीश्वर के नाम से पुकारते हैं।

लेखक विनय कांत मिश्र/दैनिक बुद्ध का संदेश

सभी राजनैतिक दल एक जैसे

अदालतों को ऐसे मामलों की सुनवाई करनी पड़ेगी जिसमें सुप्रीम कोर्ट का जज शामिल रहा हो। यदि अदालत ने राज्यपाल के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी कर दी तो परोक्ष तौर पर न्यायपालिका पर भी होगी, क्योंकि राज्यपाल पूर्व में जज रह चुके हैं। विवाद की ऐसी स्थितियों से बेशक राजनीतिक दलों के स्वार्थ सधते हों, किन्तु इससे न्यायपालिका के प्रति जनभावना में बनी आस्था खंडित हुए बगैर ...

अजय दीक्षित

बीजेपी परिवारवाद के मुद्दे पर कांग्रेस और अन्य दलों की तीखी आलोचना करती आई है। इस आलोचना का तात्पर्य यह नहीं है कि भाजपा भी इन्हीं दलों की तरह आचरण करने लगे और दलील यह दे कि ऐसा तो उनके शासन में भी होता रहा है, इसलिए इसमें गलत क्या है? भाजपा की केन्द्र सरकार सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त न्यायाधीश अब्दुल नजीर को आंध्रप्रदेश का राज्यपाल नियुक्त करने के मामले में ऐसी ही दलील दे रही है। भाजपा यह कहते हुए नजीर की नियुक्ति को जायज ठहरा रही है कि ऐसा तो कांग्रेस के शासन में भी होता रहा है। भाजपा यह भूल गई कि कांग्रेस ऐसे कारनामों के कारण सत्ता से बाहर है। भाजपा अपनी सुविधा से यह नहीं कर सकती कि जिसमें उसे नुकसान नजर आए उसमें काग्रेस को कोसे और जहां छिपा हुआ एजेंडा लागू करना हो, वहां कांग्रेस का उदाहरण पेश कर दे। इस नकारात्मक उदाहरण से निश्चित तौर पर भाजपा और न्यायाध ीशों की छवि पर उंगलियां उठेंगी। न्यायाध ीश नजीर का गलत उदाहरण पेश करके भाजपा अपनी जिम्मेदारियों से बच नहीं सकती। सवाल यह नहीं है कि नजीर ने सुप्रीम कोर्ट में जज रहते हुए अयोध्या और तीन तलाक के मुद्दे पर केंद्र सरकार के पक्ष में फैसला सुनाया था। बड़ा सवाल न्यायपालिका की नैतिकता और शुचिता का है जिसे बनाए रखने की मौजूदा दौर में कम से कम किसी राजनीतिक दल से तो अपेक्षा नहीं की जा सकती। नजीर को राज्यपाल बनाए जाना एक तरह से सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायाधीशों के पुनर्वास का रास्ता देना है। अर्थात सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट्स के ऐसे जज जिन्होंने सरकारों के पक्ष में फैसला दिया होगा, वे सत्ताधारी दलों के कृपापात्र होंगे। जब भी सही मौका मिलेगा सरकार उनका पुनर्वास करके उन्हें अनुग्रहित कर देगी। यह परिपाटी न सिर्फ न्यायपालिका बल्कि देश की न्याय व्यवस्था के भी अनुकूल नहीं है।

किसी लालच या आकर्षण के बूते दिए गए फैसलों में यह पता लगाना आसान नहीं होगा कि इसमें सच्चाई कितनी है। यही माना जाएगा कि सरकार का साथ देने के फैसलों के एवज में किसी प्रशासनिक या संवैधानिक पद पर नियुक्त करके न्यायाधीश को उपकृत किया गया है। राजनीतिक दलों के नेताओं के दामन तो दागदार होते रहे हैं, किन्तु यह बुराई यदि न्यायपालिका तक पहुंच गई तो न्याय पर आम लोगों का विश्वास कायम रखना मुश्किल हो जाएगा। सेवानिवृत्त होकर किसी पद को लेने पर न्यायाधीश के कार्यकाल के दौरान दिए गए फैसलों पर सवाल उठेंगे, जैसे कि जज नजीर की नियुक्ति को लेकर उठ रहे हैं। देश में पहले ही न्याय पाने वालों की लंबी कतार लगी हुई है। न्याय पाने के लिए होने वाला खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है। न्यायपालिका जजों की कमी से जूझ रही है ।

जटिल न्यायिक प्रक्रिया से लोगों की हताशा बढ़ रही है। ऊपर से यदि यह प्रवृत्ति न्यायाधीशों की घर कर गई कि सेवानिवृत्ति के बाद सरकार उनका भला कर देगी, तो न्यायिक फैसलों से आम लोगों का न्यायपालिका पर बचा हुआ विश्वास भी दरकने लगेगा। सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की ताजपोशी से इस बात को बल मिलता है कि केंद्र सरकार किसी न किसी रूप में न्यायपालिका को प्रभावित करने की कोशिश कर रही है ।

राज्यपाल का पद कहने को संवैध ानिक होता है, किन्तु यथार्थ में राज्यपाल के राजनीतिक विवादों में घिरे रहने के कई उदाहरण मौजूद हैं। गैर–भाजपा शासित राज्यों में राज्यपाल और राज्य सरकार में टकराव की घटनाएं होती रहती हैं। उपराष्ट्रपति बने जगदीप ध ानखड़ इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। ध ानखड़ जब तक पश्चिमी बंगाल के राज्यपाल रहे, तब तक मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से उनका टकराव बना रहा। तमिलनाडु सहित कई राज्यों में राज्यपालों के खिलाफ राजनीतिक धरना–प्रदर्शन तक हुए हैं। राज्यपालों पर भ्रष्टाचार सहित मनमानी करने के कई तरह के आरोप लगते रहे हैं। ऐसे में इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि सुप्रीम कोर्ट के जज रहे नजीर के आंध्रप्रदेश का राज्यपाल बनने पर ऐसी नौबत नहीं आयेगी । जैसे भाजपा और आन्ध्र सरकार के बीच कई बार टकराहट हो चुकी है। यदि राजनीतिक धरना–प्रदर्शन के हालात बनते हैं तो वह सिर्फ राज्यपाल के खिलाफ ही नहीं, बल्कि सुप्रीम कोर्ट के सेवानिवृत्त जज के खिलाफ भी होंगे। सुप्रीम कोर्ट में जज रहने के कारण राज्यपाल को विवादों में घसीटा जाएगा। राजनीति में चूंकि आरोप–प्रत्यारोपों की कोई सीमा नहीं है, इसलिए विवाद किसी भी हद तक जाने पर इसकी चपेट में सेवानिवृत्ति के बाद राज्यपाल बने जज भी आयेंगे । अदालतों को ऐसे मामलों की सुनवाई करनी पड़ेगी जिसमें सुप्रीम कोर्ट का जज शामिल रहा हो। यदि अदालत ने राज्यपाल के खिलाफ प्रतिकूल टिप्पणी कर दी तो परोक्ष तौर पर न्यायपालिका पर भी होगी, क्योंकि राज्यपाल पूर्व में जज रह चुके हैं। विवाद की ऐसी स्थितियों से बेशक राजनीतिक दलों के स्वार्थ सधते हों, किन्तु इससे न्यायपालिका के प्रति जनभावना में बनी आस्था खंडित हुए बगैर नहीं रहेगी । समय है कि राजनीति में शुचिता आये ।

{ यह न केवल अगले कुछ वर्षों के लिए बल्कि कम से कम कुछ दशकों के लिए सच है। साधारण लोग कभी भी ऐसी सरकार का समर्थन नहीं करेंगे जिसे इस बात की परवाह नहीं है कि भोजन और ईंधन कहां से आता है। देश को राजशाही से लोकतंत्र की ओर ले जाने के बाद, दहल के लिए व्यावहारिकता ही एकमात्र रास्ता है। लिहाजा, सीपीएन–यूएमएल और केपी शर्मा ओली को दरकिनार कर दहल एक... }

नेपाल की राजनीति नये संकट में

अरुण कुमार श्रीवास्तव

साधारण लोग कभी भी ऐसी सरकार का समर्थन नहीं करेंगे जिसे इस बात की परवाह नहीं है कि भोजन और ईंधन कहां से आता है। देश को राजशाही से लोकतंत्र की ओर ले जाने के बाद, दहल के लिए व्यावहारिकता ही एकमात्र रास्ता है। लिहाजा, सीपीएन–यूएमएल और केपी शर्मा ओली को दरकिनार कर दहल एक ऐसा सामान छोड़ रहे हैं, जिसकी अब उन्हें जरूरत नहीं है। नेपाल में राजनीतिक स्थिति अस्थिर बनी हुई है। नई सरकार के गठन के ठीक दो महीने बाद, यह अल्पमत में है। पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली सरकार की सबसे बड़ी सहयोगी पार्टी सीपीएन–यूएमएल ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया है। अब सरकार को सत्ता में बने रहने के लिए एक महीने के भीतर विश्वास मत हासिल करना होगा। नवीनतम राजनीतिक संकट के लिए ट्रिगर आगामी राष्ट्रपति चुनावों से आता है। सीपीएन–यूएमएल द्वारा उन्हें समर्थन देने का फैसला करने के बाद दो महीने पहले प्रधानमंत्री दहल ने सत्ता में शपथ ली थी। लेकिन अध्यक्ष पद के लिए सीपीएन–यूएमएल उम्मीदवार का समर्थन करके दहल ने सद्भावना नहीं लौटाई बल्कि, उनकी पार्टी ने विपक्षी राष्ट्रीय कांग्रेस के रामचंद्र पौडेल को समर्थन देने का फैसला किया। शुक्रवार को दहल और सीपीएन–यूएमएल प्रमुख केपी शर्मा ओली के बीच दो घंटे तक चली एक महत्वपूर्ण बैठक ने ओली को निराश किया क्योंकि राष्ट्रीय कांग्रेस ने पहले ही दहल का समर्थन हासिल कर लिया था। सीपीएन–माओवादी केंद्र की दो बड़ी पार्टियों के पास आधी संख्या न होने के बावजूद सत्ता हथियाने की कोशिश के समय, दहल ने कथित तौर पर प्रस्तावित किया था कि अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के पदों को सर्वसम्मति से भरा जाना चाहिए। लेकिन ओली इसके लिए राजी नहीं हुए थे। जब दहल संसद में विश्वास मत की मांग कर रहे थे, तब नेपाली कांग्रेस ने अपने सबसे बड़े गठबंधन सहयोगी सीएमएन–यूएमएल को निराश करते हुए अपना समर्थन देने की पेशकश की थी। हालांकि, सीपीएन–यूएमएल

को सरकार से बाहर निकालने के लिए सीपीएन माओवादी केंद्र द्वारा राष्ट्रीय कांग्रेस के उम्मीदवार का समर्थन करने का निर्णय नहीं है। प्रधानमंत्री दहल ने विदेश मंत्री बिमला राय पौडयाल की जेनेवा यात्रा को अवरुद्ध करने का फैसला किया, जहां उन्हें संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार बैठक में भाग लेने के लिए तय किया गया था। इससे पहले, सरकार द्वारा सीपीएन–यूएमएल की राष्ट्रपति पद की उम्मीदें धराशायी होने के बाद, चार उप प्रधानमंत्रियों में से एक, राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी (आरपीपी) के, ने तीन मंत्रियों के साथ सरकार छोड़ दी। बाद में आरपीपी ने भी सरकार छोड़ दी। इसलिए, जब सदन में विश्वास मत हासिल करने की बात आती है, तो नेपाली कांग्रेस राष्ट्रपति पद के लिए अपने उम्मीदवार के समर्थन में दहल द्वारा बढ़ाये गये सद्भावना को लौटा सकती है और दहल नेपाल के प्रधानमंत्री बने रह सकते हैं। सीपीएन–यूएमएल और नेपाली कांग्रेस ने एक साथ चुनाव लड़ा लेकिन जब प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार को चुनने की बात आई तो दोनों अपनी–अपनी बात पर अड़े रहे। फिर दहल ने सीपीएन–यूएमएल का समर्थन हासिल कर नेपाली कांग्रेस को पछाड़ दिया। यह व्यवस्था सुनिश्चित करती है कि नेपाली कांग्रेस पूर्व सेनानी को प्रधानमंत्री बनने में मदद करने के लिए दोष साझा नहीं करेगी। दहल के लिए भी, नेपाली कांग्रेस के उम्मीदवार को राष्ट्रपति बनने में मदद करने से उन्हें अपनी छवि और शासनों में स्वीकार्यता में सुधार करने में मदद मिलती है, जिनमें से कुछ अभी भी उनके अतीत के लिए संदिग्ध और आलोचनात्मक हो सकते हैं। जबकि पुष्प कमल दहल के नेतृत्व वाली गठबंधन सरकार अल्पमत में हो सकती है, ऐसा लगता है कि वह नेपाली कांग्रेस की मदद से विश्वास मत हासिल करने में सफल रहेंगे। नेपाल के तमाम कम्युनिस्ट नेताओं की तुलना में दहल न सिर्फ सबसे लोकप्रिय हैं बल्कि सबको साथ लेकर चलने वाले भी हैं। लेकिन, जैसा कि राजनीति में आम बात है, एक छोटे स्कूल के शिक्षक से देश के प्रधानमंत्री बनने के दौरान उन्होंने जो शागिर्द बनाये, वे अक्सर विफल रहे। इसे देखते हुए, नेपाली कम्युनिस्ट नेताओं के साथ उनकी समझ और संबंध एक संपत्ति है। यह उन्हें न केवल नेपाली कांग्रेस के लिए बल्कि भारत और अमेरिका जैसे मजबूत लोकतांत्रिक बंधन वाले अन्य देशों के लिए भी सबसे अच्छा दांव बनाता है। क्या भारत और अमेरिका एक ऐसे प्रध ानमंत्री के साथ जुड़ेंगे जिसने अपने देश में 10 साल लंबे खूनी गृहयुद्ध का नेतृत्व किया था? ठीक है, उनके पास बेहतर विकल्प नहीं हैं। उदाहरण के लिए, अतीत में केपी शर्मा ओली सरकार भारत के लिए काफी कष्टदायी रही है। ऐसा लगता है कि दहल की राजनीति में व्यावहारिकता का बोलबाला है और शायद वह चाहेंगे कि दुनिया उनके अतीत को भूल जाये। इसे प्राप्त करने का सबसे अच्छा तरीका उन चीजों को करना है जो उन्हें, विशेष रूप से प्रधानमंत्री के रूप में, उनके साथियों के समान लीग में नहीं रखते हैं। उदाहरण के लिए, जब अधिकांश आवश्यक सामान भारत के रास्ते नेपाल आने वाला है, तो वह चीन की ओर अत्यधिक झुक कर भारत का विरोध ा नहीं कर सकता है। यह न केवल अगले कुछ वर्षों के लिए बल्कि कम से कम कुछ दशकों के लिए सच है। साधारण लोग कभी भी ऐसी सरकार का समर्थन नहीं करेंगे जिसे इस बात की परवाह नहीं है कि भोजन और ईंधन कहां से आता है। देश को राजशाही से लोकतंत्र की ओर ले जाने के बाद, दहल के लिए व्यावहारिकता ही एकमात्र रास्ता है। लिहाजा, सीपीएन–यूएमएल और केपी शर्मा ओली को दरकिनार कर दहल एक ऐसा सामान छोड़ रहे हैं, जिसकी अब उन्हें जरूरत नहीं है।

Nano-DAP को फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर में किया गया शामिल, केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने किया एलान

नैनो तरल यूरिया पेश करने वाली सहकारी संस्था इफको ने कहा कि सरकार ने उसके नैनो डीएपी उर्वरक को बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भारत सरकार ने अब नैनो डीएपी को मंजूरी दे दी है। पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत, इस उपलब्धि से किसानों को लाभ होगा। स्वास्थ्य मंत्री ने ट्विट करते हुए कहा कि उर्वरक में आत्मनिर्भरता की तरफ एक ओर बड़ी उपलब्धि! भारत सरकार ने नैनो यूरिया के बाद अब नैनो डीएपी को भी मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन आत्मनिर्भर भारत के तहत, यह सफलता किसानों को अत्यधिक लाभ देने वाली है। अब एक बैग डीएपी भी, एक बोतल डीएपी के रूप में

मिलेगा।

इफको के प्रबंध निदेशक यूएस अवस्थी ने ट्वीट किया कि इफको के नैनो डीएपी को कृषि मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसके उत्साहजनक परिणामों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश में अधिसूचित किया गया है। दिसंबर में अवस्थी ने कहा था कि इफको जल्द ही 600 रुपये प्रति 500 घ्घमिलीलीटर की बोतल पर नैनो डीएपी लॉन्च करेगी, एक ऐसा कदम जो भारत को विदेशी मुद्रा बचाने और सरकारी सब्सिडी को काफी कम करने में मदद करेगा। उन्होंने घोषणा की कि नैनो डीएपी को 500 की बोतल पर 600 रुपये में बेचा जाएगा। एमएल। एक बोतल डीएपी के एक बैग के बराबर होगी, जिसकी कीमत फिलहाल 1,350 रुपये है। उन्होंने कहा था कि इफको नैनो पोटाश, नैनो जिंक और नैनो कॉपर उर्वरक भी पेश करने की योजना बना रही है।

जून 2021 में, इफको ने पारंपरिक यूरिया के विकल्प के रूप में नैनो यूरिया को तरल रूप में लॉन्च किया। इसने नैनो यूरिया का उत्पादन करने के लिए विनिर्माण संयंत्र भी स्थापित किए हैं।

नैनो यूरिया पर कोई सरकारी सब्सिडी नहीं है और इसे 240 रुपये प्रति बोतल बेचा जा रहा है। पारंपरिक यूरिया के लिए, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ी सब्सिडी प्रदान करती है कि किसानों को उचित मूल्य पर मिट्टी के पोषक तत्व मिलें। देश का घरेलू यूरिया उत्पादन करीब 2.6 करोड़ टन है, जबकि मांग करीब 3.5 करोड़ टन है। अंतर को आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है।

कैम्ब्रिज के बाद अब ब्रिटेन की संसद में बोलेंगे राहुल गांधी, क्या होगा एजेंडे में?

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी 10 दिन के दौरे पर इंग्लैंड में हैं। वायनाड के सांसद तीन दिनों के लिए लंदन में रहेंगे, जहां वह ब्रिटिश संसद में अपना संबोधन देंगे। इसके साथ ही राहुल भारतीय प्रवासियों से मिलेंगे, इंडियन जर्नलिस्ट एसोसिएशन द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करेंगे, निजी व्यावसायिक बैठकें करेंगे और प्रसिद्ध लंदन थिंक टैंक में बात करेंगे। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता चार से छह मार्च तक लंदन में रहेंगे। वह अगले दिन वहां से रवानगी भरेंगे। गांधी के साथ इंडियन ओवरसीज कांग्रेस (आईओसी) के प्रमुख सैम पित्रोदा भी हैं। पित्रोदा एक टेक इनोवेटर–उद्यमी हैं और व्यापक रूप से राहुल गांधी के करीबी राजनीतिक सहयोगी के रूप में

जाने जाते हैं। लंदन में रहते हुए, राहुल गांधी भारतीय प्रवासियों के साथ भी मुलाकात करेंगे। इंडिया टुडे के साथ एक साक्षात्कार में इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के यूके अध्यक्ष कमल धालीवाल ने कहा, ष्पंजीकरण 2,000 से अधिक हो गए हैं।

ब्रिटेन की संसद में संबोधन वेस्टमिंस्टर के पैलेस के ग्रैंड कमेटी रूम में राहुल गांधी 6 मार्च को यूके के सांसदों, लॉर्ड्स, बैरोनेस और अन्य उपस्थित लोगों को संबोधित करेंगे। इंडो–ब्रिटिश एपीपीजी के अध्यक्ष, भारतीय मूल के सांसद वीरेंद्र शर्मा, संसद के कार्यक्रम की व्यवस्था करने वाले ने इंडिया टुडे को बताया, ष्बहस राजनीतिक भविष्य तक सीमित नहीं है, बल्कि सांस्कृतिक, सामाजिक और व्यावसायिक संबंधों को गले लगाना चाहिए जो दोनों देशों को बांधते हैं।

राहुल के एजेंडे में और क्या है?: संसद के कार्यक्रम के दिन राहुल गांधी यूके के प्रमुख थिंक टैंक चौथम हाउस में भी बोल रहे हैं। वह सप्ताहांत के दौरान कुछ निजी व्यावसायिक बैठकें भी करेंगे। कांग्रेस सांसद विदेश, राष्ट्रमंडल और विकास मामलों के लेबर पार्टी के शैडो सेक्रेटरी ऑफ स्टेट डेविड लैमी से भी मिल सकते हैं। हालांकि, अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। फिलहाल ब्रिटेन में अगले आम चुनाव में लेबर पार्टी की जीत की संभावना जताई जा रही है।

कैस्पर को उतारने की तैयारी में हुंडई , बढ़ेगी टाटा एसयूवी की मुश्किलें

भारतीय बाजार में छोटे एसयूवी की डिमांड बढ़ने लगी है। हाल में टाटा की ओर से एक शानदार एसयूवी कार भारतीय

बाजार में पेश की गई थी। वह कार टाटा पंच थी। इस कार का भारतीय बाजार में जलवा भी देखा गया। अब माना जा रहा है कि कई अन्य कंपनियां भी अब छोटे एसयूवी को भारतीय बाजार में उतार सकती है। इसी कड़ी में हुंडई इंडिया ने भी बड़ा फैसला लिया है। जानकारी के मुताबिक हुंडई भारतीय बाजार में कैस्पर मॉडल को उतार सकती है। हुंडई की यह छोटी एसयूवी कार है जिस की खूब तारीफ सुनी गई है। माना जा रहा है कि कैस्पर मॉडल 6 से 8 लाख के बीच आ सकती है। हालांकि, इस को लेकर अब तक बहुत ज्यादा जानकारी नहीं आई है। फिलहाल, यह गाड़ी भारत में नहीं है। लेकिन भारत में लॉन्च होने से पहले इसमें कई बड़े बदलाव किए जा सकते हैं। माना जा रहा है कि हुंडई की ओर से इस के डिजाइन में भी बदलाव किया जाएगा। यह माइक्रो एसयूवी इग्निस, पंच, किगर और मैग्नाइट को कड़ी टक्कर देंगे। इसे जून–जुलाई से पहले ही भारतीय बाजार में लांच करने की तैयारी है। दावा तो यह भी है कि भारत में इसका नाम भी बदला जा सकता है। इसके ।प3 का नाम दिया जा सकता है। भ्लनदकंप की ।प3 माइक्रॉन्ट उसी प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी जिस पर हाल ही में लॉन्च हुई ळतंदक प10 छपवे और ।नतं को बनाया गया है। माइक्रो एसयूवी की लंबाई लगभग 3.7–3.8 मीटर होने की उम्मीद है। डिजाइन के संदर्भ में में बात करे तो एआई3 को वेन्यू से मिलता–जुलता बनाया गया है। इसमें स्प्लिट हेडलैंप सेटअप है। कैस्पर 2,000 मिमी व्हीलबेस पर आधारित है और इसकी लंबाई 3,595 मिमी है, लेकिन भारत के लिए नई मिनी एसयूवी लंबाई में 3,815 मिमी और व्हीलबेस 2,450 मिमी होगी। विश्व स्तर पर, कैस्पर 1–लीटर एनए और 1–लीटर टर्बो पेट्रोल द्वारा संचालित है। वर्तमान में, बाद वाला इंजन अब भारत में उपलब्ध नहीं है, लेकिन केवल समय ही बताएगा कि हुंडई की इसे वापस लाने की कोई योजना है या नहीं।

चीन ने अगर किया ये काम तो रूस की तरह उस पर भी लगाए जा सकते हैं ढेरों प्रतिबंध, 27 देशों ने दी जिनपिंग को खुली चेतावनी

रूस और यूक्रेन के बीच बीते एक बरस से जारी जंग थमने का नाम नहीं ले रही है। युद्ध में दोनों देशों को काफी नुकसान पहुंचा है। यूक्रेन को पश्चिमी देशों की तरफ से लगातार सैन्य सहायता प्राप्त हो रही है। रूस की तरफ से ताबड़तोड़ हमले जारी रखा है वहीं जेलेंस्की भी पूरी तत्परता के साथ मैदान में डटे हैं। इन सब के बीच यूरोपीय यूनियन ने 3 मार्च को चीन को चेतावनी देते हुए कहा कि वो रूस को हथियार मुहैया न कराए। यूरोपीय संघ (ईयू) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि अगर चीन यूक्रेन के साथ युद्ध में रूस को हथियार मुहैया कराता है तो 27 देशों का संगठन इस बाबत जवाब

देगा और प्रतिबंध लगाए जा सकते हैं।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार इसे पूरी तरह से ष्रेडलाइनष करार देते हुए यूरोपीय संघ के अधिकारी ने रूस को हथियारों की आपूर्ति के खिलाफ चीन को चेतावनी दी है। जर्मन चांसलर ओलाफ स्कोल्ज की टिप्पणियों की गूंज, जिन्होंने मास्को को ऐसी सहायता प्रदान करने के खिलाफ बीजिंग को भी चेतावनी दी थी क्योंकि यह यूक्रेन में लड़ना जारी रखता है। जर्मन संसद के एक भाषण में स्कोल्ज ने कहा कि हमलावर रूस को कोई हथियार न दें। जबकि चीन ने रूस को हथियार देने के किसी भी इरादे से इनकार किया, अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने शुक्रवार को कहा कि सीएनएन के अनुसार, रूस अभी भी रूस को घातक सैन्य सहायता प्रदान करने का कदम उठा सकता है।

यूरोप के शीर्ष राजनयिक ने यह भी कहा कि जब चीन से रूस का समर्थन करने की बात आती है तो पश्चिम को सतर्क रहने की जरूरत है, क्योंकि अमेरिकी अधिकारियों ने चेतावनी दी थी कि बीजिंग मास्को को घातक हथियार भेजने वाला हो सकता है।

लीपजिग को 2–1 से हराकर डॉर्टमुंड बुंडेसलीगा पॉइंट्स टेबल पर शीर्ष में पहुंचा

बर्लिन। कप्तान मार्को रेउस और एमरे कैन के गोल से डॉर्टमुंड ने बुंडेसलीगा (जर्मनी की शीर्ष घरेलू फुटबॉल लीग) मुकाबले में शुक्रवार को लीपजिग को 2–1 से शिकस्त दी और तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। रेउस ने 21वें मिनट में पेनल्टी पर गोल कर टीम को बढ़त दिलाई जबकि कैन ने 39वें मिनट में इसे दोगुना कर दिया। लीपजिग के लिए मैच का इकलौता गोल एमिल फोर्सबर्ग ने मैच के 74वें मिनट में किया। इस जीत से डॉर्टमुंड की टीम बायर्न म्यूनिख पर तीन अंक की बढ़त के साथ तालिका में शीर्ष पर पहुंच गयी। डॉर्टमुंड के लिए रेउस का यह 159 वां गोल था। इससे उन्होंने माइकल जोरक के रिकॉर्ड की बराबरी की। टीम के लिए इन दोनों ज्यादा सिर्फ आदि प्रीलर (177) ने गोल किये है।

कोविड वैक्सीन स्पुतनिक वी बनाने वालेरूसी वैज्ञानिक की किसने की हत्या? पुतिन ने दिया था सम्मान

रूसी कोविड–19 वैक्सीन स्पुतनिक वी बनाने में योगदान देने वाले रूसी वैज्ञानिक एंड्री बोटिकोव मास्को में अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए। रूसी मीडिया की खबरों में शनिवार को कहा गया कि बेल्ट से गला घोंटकर उनकी हत्या कर दी गई। 47 वर्षीय बोटिकोव गुरुवार को मास्को में अपने अपार्टमेंट में मृत पाए गए थे। रूसी समाचार एजेंसी टीएएसएस ने रूसी संघ की जांच समिति के हवाले से कहा कि उन्होंने गामालेया नेशनल रिसर्च सेंटर फॉर इकोलॉजी एंड मैथमेटिक्स में एक वरिष्ठ शोधकर्ता के रूप में काम किया था। वायरोलॉजिस्ट को रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने 2021 में कोविद वैक्सीन पर अपने काम के लिए ऑर्डर ऑफ

मेरिट फॉर द फादरलैंड अवार्ड से सम्मानित किया था। बोटिकोव उन 18 वैज्ञानिकों में से एक थे जिन्होंने 2020 में स्पुतनिक वी वैक्सीन विकसित की थी। रूस में जांच प्राधिकरण ने कहा कि वायरोलॉजिस्ट की मौत की हत्या के रूप में जांच की जा रही है। जांचकर्ताओं के अनुसार एक 29 वर्षीय युवक ने बहस के दौरान बेल्ट से बोटिकोव का गला घोंट दिया और भाग गया। कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने कहा कि हत्या एक घरेलू अपराध था और एक संघर्ष का परिणाम था। संघीय जांच एजेंसी ने बयान में कहा कि बोटिकोव का शव मिलने के कुछ घंटे बाद संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया। हमलावर का स्थान संक्षिप्त क्रम में स्थापित किया गया था। पूछताछ के दौरान, उन्होंने दोषी करार दिया और आरोप लगाया गया। प्रतिवादी का पिछला आपराधिक रिकॉर्ड है, क्योंकि उस पर एक गंभीर अपराध करने के आरोप में मुकदमा चला था। निकट भविष्य में, जांच प्रतिवादी को हिरासत में लंबित मुकदमे में रखने के लिए अदालत में याचिका दायर करने की योजना बना रही है।

ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़, 2 महीने में चौथा मामला आया सामने

ऑस्ट्रेलिया में खालिस्तान समर्थकों ने एक बार फिर से हिंदू

मंदिर को निशाना बनाया है। एक रिपोर्ट में कहा गया है कि शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के ब्रिस्बेन में एक मंदिर में तोड़फोड़ की गई। इसके साथ ही दीवारों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया गया। पिछेल दो महीने में ऑस्ट्रेलिया में किसी मंदिर से जुड़ी यह चौथी घटना है। तोड़फोड़ की घटना शनिवार की सुबह उस समय देखने को मिली जब श्रद्धालु सुबह की पूजा के लिए आए। ऑस्ट्रेलिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार ब्रिस्बेन के दक्षिण में बरबैंक उपनगर में स्थित, ब्रिस्बेन में श्री लक्ष्मी नारायण मंदिर को कथित तौर पर ष्खालिस्तानी समर्थकोंष द्वारा तोड़ दिया गया। मंदिर के पास रहने वाले एक निवासी रमेश कुमार ने द ऑस्ट्रेलिया टुडे को बताया कि मुझे पता है कि मेलबर्न हिंदू मंदिरों में क्या हुआ है, लेकिन इस नफरत का सामना करना अपने आप में एक बहुत ही दुखद अनुभव है। मंदिर के अध्यक्ष सतिंदर शुक्ला ने द ऑस्ट्रेलिया टुडे को बताया, ष्मंदिर के पुजारी और भक्तों ने आज सुबह फोन किया और मुझे हमारे मंदिर की चारदीवारी पर तोड़फोड़ के बारे में सूचित किया। शुक्ला ने कहा कि वे प्रबंधन समिति की पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक करने के बाद विस्तृत बयान देंगे। इससे पहले, ब्रिस्बेन में एक अन्य हिंदू मंदिर, गायत्री मंदिर को लाहौर, पाकिस्तान में स्थित खालिस्तान चरमपंथियों से डराने–धमकाने वाले फोन आए थे। हिंदू मानवाधिकार की निदेशक सारा एल गेट्स ने कहा कि नवीनतम घृणा अपराध ऑस्ट्रेलियाई हिंदुओं को आतंकित करने के लिए सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) का एक पैटर्न है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया टेस्ट: बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी फाइनल में एंट्री से चूक ना जाए टीम इंडिया, अब एक गलती भी पड़ सकती है भारी

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की बॉर्डर–गावस्कर ट्रॉफी खेली जा रही है। अब तक तीन मुकाबले हुए हैं। पहले दोनों ही मुकाबलों में टीम इंडिया को जीत मिली थी। लेकिन तीसरे मुकाबले में टीम इंडिया को शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। तीसरा मुकाबला इंदौर के होल्कर स्टेडियम में हुआ था। इंदौर का होल्कर स्टेडियम की पिच को लेकर विवाद भी खूब हुआ। इन सब के बीच 9 मार्च से अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में चौथा टेस्ट मुकाबला खेला जाएगा। इंदौर टेस्ट जीतकर टीम इंडिया सीधे वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में अपनी जगह बना सकते थी। लेकिन इस मुकाबले में हार मिलने के बाद टीम इंडिया का इंतजार और भी बढ़ गया है।

दूसरी ओर अगर हम ऑस्ट्रेलिया के बात करें तो इंदौर टेस्ट मुकाबले को जीतने के बाद वह सीधे फाइनल में पहुंच गया है। ऐसे में बड़ा सवाल यह भी है कि क्या भारतीय टीम अब वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में नहीं पहुंच सकती है? भारतीय टीम के वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप के फाइनल में पहुंचने की संभावनाएं अभी भी बरकरार है। इसके लिए चौथे टेस्ट मुकाबले में भारत को जबरदस्त जीत हासिल करनी होगी। इसके साथ ही उसे श्रीलंका–न्यूजीलैंड के बीच मैच के नतीजे पर भी निर्भर रहना

होगा। भारत में भारत को हराना काफी मुश्किल होता है। टीम इंडिया भी लगातार जीत होती रहती है। लेकिन ऑस्ट्रेलिया को इंदौर में मिली जीत से उसका हौसला बुलंद हुआ है। 6 साल के भीतर भारत की धरती पर उसकी यह पहली जीत है।

शमी चौथे टेस्ट में करेंगे वापसी

भारत के सबसे वरिष्ठ तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ अहमदाबाद में नौ मार्च से शुरू होने वाले चौथे टेस्ट की अंतिम एकादश में जगह मिलने की उम्मीद है। शमी को कार्यभार प्रबंधन के तहत इंदौर में खेले गए तीसरे टेस्ट से विश्राम दिया गया था। भारतीय टीम प्रबंधन ने मेडिकल स्टाफ के परामर्श से आईपीएल (इंडियन प्रीमियर लीग) के ज्यादातर मैचों को खेलने वाले और एकदिवसीय विश्व कप की योजना में शामिल तेज गेंदबाजों के कार्यभार प्रबंधन की योजना बनाई है। शमी शुरुआती दो टेस्ट खेले थे और वह एकदिवसीय टीम का भी हिस्सा हैं। इंदौर टेस्ट में टीम में उनकी जगह उमेश यादव को शामिल किया गया था।

कोरियाई शिष्टमंडल के 5 दिवसीय जनपद भ्रमण पर अधिकारियों को तैयारी के लिए दिए गए निर्देश

कुशीनगर। जनपद में कोरियाई शिष्टमंडल के आगमन के संबंध में तैयारियों संबंधी बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कोरियाई शिष्टमंडल के जनपद आगमन के संदर्भ में जिला पंचायत राज अधिकारी को सफाई व्यवस्था, अधिशासी अधिकारियों को मोबाइल टॉयलेट को सक्रिय रखने, वाटर टैंक की व्यवस्था करने, मुख्य चिकित्सा अधिकारी को मेडिकल की टीम को सक्रिय रखने तथा सड़क मार्ग मूवमेंट के लिए सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी को निर्देशित किया गया। विदित हो कि आगामी 07 मार्च 2023 को कोरियाई शिष्टमंडल का जनपद में आगमन हो रहा है। जो जनपद में 11 मार्च तक रहेंगे। शिष्टमंडल द्वारा तमकुहीराज, कसया, कप्तानगंज में पदगमन कर प्रवास एवं दर्शन पूजन का कार्यक्रम प्रस्तावित है। 11 मार्च के बाद यह शिष्टमंडल नेपाल राष्ट्र में प्रवास, दर्शन हेतु प्रस्थान करेंगे। बैठक में पुलिस अधीक्षक धवल जायसवाल, जिला पंचायत राज अधिकारी अभय यादव, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी, समस्त अधिशासी अधिकारी आदि अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

विकास प्रदर्शनी में विकास परक योजनाओं से रूबरू हुए स्कूली छात्र, छात्राएं

कुशीनगर। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं, उपलब्धियों, नये कीर्तिमानों एवं नीतियों से सम्बन्धित बुद्धा पार्क में आयोजित तीन दिवसीय 'विकास प्रदर्शनी' के शुक्रवार को दूसरे दिन रविन्दरनगर धुस स्थित संविलियन विद्यालय के छात्रध्छात्राओं सहित आम जनमानस द्वारा अवलोकन किया गया। इस दौरान स्कूली वच्चों द्वारा एक–एक योजनाओं की जानकारी के सम्बन्धा में जिज्ञासा प्रकट की गई। जिसमें सभी योजनाओं के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी। इस अवसर पर जिला व्यायाम शिक्षक अनिल मिश्र, अनुदेशक अजय कुमार, पंकज, सहायक अध्यापक रागिनी, एवं सूचना विभाग के कर्मचारियों सहित विद्यालय के अध्यापको द्वारा विकास प्रदर्शनी में लगे सभी योजनाओ के सम्बन्ध में जानकारी दी गयी।

होली त्यौहार को लेकर कुशीनगर पुलिस ने बढ़ाई सतर्कता, पडरौना शहर में किया फ्लैग मार्च

कुशीनगर। होली पर्व को शांतिपूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने कवायद शुरू कर दी है। शुक्रवार को जिले भर में कड़ी चौकसी रही। वहीं शाम के समय पुलिस ने फ्लैग मार्च किया। कड़े सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सेक्टर स्कीम लागू कर दी गई है। पूरे जिले में जिन स्थानों पर होलिका दहन किया जाएगा। सभी स्थानों पर होली की पूर्व संध्या से ही पुलिस बल तैनात रहेगा। मोबाइल पुलिस टीमें भी गठित की गई हैं। पडरौना नगर में शुक्रवार की शाम पुलिस के जवानों ने सुभाष चौक से फ्लैग मार्च किया। फ्लैग मार्च नगर में भ्रमण कर लोगों से शांति के साथ होली पर्व मनाने की अपील की गई। लोगों को बताया गया कि जबरन किसी पर रंग न डाला जाए। आपसी प्रेम और सौहार्द के साथ होली मनाएं। साथ ही लोगों को यह भी बताया गया कि जगह–जगह डीजे बजाने पर प्रतिबंध रहेगा। इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह, सीओ सदर उमेश कुमार भट्ट, इंस्पेक्टर राज प्रकाश सिंह, एसएसआई अनिल कुमार सिंह, प्रभात यादव, कुलदीप मौर्य, आनंद शंकर सिंह, सुभाष चौक चौकी इंचार्ज देशराज सिंह, कस्बा चौकी इंचार्ज संदीप सिंह, अमित कुमार सिंह, वेद प्रकाश सिंह, महिला थानाध्यक्ष सुमन सिंह समेत पुलिस और पीएससी के अलावे होमगार्ड के जवान मौजूद रहे। इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह ने कहा कि होली पर्व के लिए कड़ी सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। शहर की संवेदनशीलता को देखते हुए फ्लैग मार्च कराया गया है। पूरे जिले में सेक्टर स्कीम लागू की गई है। जिन स्थानों पर होलिका का दहन किया जाएगा। सभी लोग शांति व सौहार्द के साथ पर्व मनाएं। अराजकतत्वों से पुलिस सख्ती से निपटेगी।

होली पर्व पर हर्बल युक्तरंगों का करें इस्तेमाल: अभिषेक मिश्र

गोरखपुर। योग प्रशिक्षक अभिषेक कुमार मिश्र ने बताया कि होली या अन्य अवसरों पर केमिकल युक्त रंग गुलाबो का इस्तेमाल करने से बचना चाहिए। इसके स्थान पर हर्बल युक्त रंग गुलाल या फूलों से होली खेलने से त्वचा को नुकसान नहीं के बराबर होता है या नहीं होता है। योग प्रशिक्षक ने बताया कि एक दिन पहले ही बालों व त्वचा पर नारियल का तेल लगा ले ताकि रंग गुलाल का साइड इफेक्ट कम हो। होली खेलते समय सिंथेटिक की बजाय सूती कपड़े पहने जिससे शरीर में जलन आदि की समस्या नहीं आती है यदि किसी को इसके बाद भी यदि किसी व्यक्ति को साइड इफेक्ट होता है तो नारियल का तेल लगा कर धुपस्नान करें या धूप में बैठे, साथ ही प्राणायाम व आसनों को करने से रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है या ऐसे कहे कि रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास होता है।

मानपुर चौकी प्रभारी ने किया बैंक चेकिंग सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा

बैंक के आसपास फर्जी तरीके से घूमते पाए जाने पर होगी कार्रवाई चौकी प्रभारी ...सोम प्रताप सिंह

दैनिक बुद्ध का संदेश

गोंडा! उत्तर प्रदेश के जनपद गोंडा के थाना तरबगंज क्षेत्र के

पुलिस चौकी भानपुर के चौकी प्रभारी ने शनिवार को किया बैंक चेकिंग सुरक्षा व्यवस्था का लिया जायजा। पुलिस चौकी भानपुर के चौकी प्रभारी सोम प्रताप सिंह ने शनिवार को चौकी क्षेत्र के पकड़ी बाजार में स्थित इंडियन बैंक पर पहुंचकर बैंक चेकिंग अभियान के तहत बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरा ड्यूटी रजिस्टर सहित अन्य उपकरण चेक किए जो दुरुस्त मिला।चौकी प्रभारी ने बैंक पर मौजूद खाताधारकों बैंक कर्मियों बैंक सुरक्षा में लगे सुरक्षाकर्मियों को जागरूक करते हुए सुरक्षा संबंधी जानकारी देते हुए बताया कि बैंक के आसपास कोई भी फर्जी तरीके से घूमता ना पाया जाए अगर कोई फर्जी तरीके से घूमता पाया जाता है तो उससे कड़ाई से पूछताछ की जाएगी वही खाता धारको को बताया के बैंक में आते समय बैंक से संबंधित पासबुक या का जाट साथ में रखें तभी बैंक में प्रवेश करने दिया जाएगा अन्यथा नहीं वही आस–पास खड़े व्यक्तियों से पूछताछ की गई और उन्हें हिदायत देकर बताया गया कि अगर फर्जी तरीके से घूमते पाए गए तो कार्रवाई की जाएगी बैंक में काम हो तभी बैंक पर आएं अन्यथा नहीं!

डीएम ने ब्लाक प्रमुख व खण्ड विकास अधिकारियों के साथ बैठक कर जिले में पर्यटन, मनरेगा सहित अन्य विकास कार्यों पर की चर्चा

कुशीनगर। जिलाधिकारी रमेश रंजन की अध्यक्षता में विकास खंड स्तर पर संचालित विकास कार्यक्रम की समीक्षा हेतु एक आवश्यक बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में संपन्न हुई। बैठक में खंड विकास अधिकारियों के साथ समस्त ब्लॉक प्रमुख व उनके प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। बैठक में मुख्य रूप से पर्यटन के क्षेत्र में जनपद में मुख्य क्षेत्रों में संभावनाएं तलाशने तथा ग्राम स्तर पर मनरेगा कार्य व अन्य विकास कार्यो की समीक्षा की गई। खेल मैदान, अमृत सरोवर, मिनी स्टेडियम इत्यादि कार्यों के माध्यम से गांव का विकास तथा विभिन्न ऐतिहासिक, धार्मिक महत्ता के क्षेत्रो का पर्यटन के दृष्टिगत विकास से संबंधित बैठक में सभी खंड विकास अधिकारियों द्वारा अपने अपने क्षेत्र में पर्यटन हेतु चयनित स्थलों की सूची व वहां होने वाले विकास कार्य तथा उक्त स्थल के पर्यटन के क्षेत्र में विकसित होने की संभावनाओं के संबंध में पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुतीकरण किया गया। इसी क्रम में विकास खंड कप्तानगंज में पर्यटन हेतु चयनित स्थलो में कुलकुला धाम मंदिर, राजमंदिर ताल, चेड़ा देवी, ब्लाक पडरौना के चयनित पर्यटन स्थल में कोहरवलिया, सिकटा पोखरा, खिरकिया स्थान, भिस्वालाला पोखरा और रहखा माई स्थान, विकास खण्ड खड्डा से दरगौली, नरकहवा शिव मंदिर, रामपुर बांगर, मोतीचक से पुरैनी का राम जानकी मंदिर, तुर्कहा ताल, विशुनपुरा से गंभीरिया बुजुर्ग, भुजौली शिव मंदिर, जटहा बाजार शिव मंदिर और माघी कोटहिलवा, तमकुहीराज से सरया बुजुर्ग, रामकोला का खोटही मणिताल, हाटा में हिरण्यवती नदी का मार्ग, सेवरही से जगदीशपुर का बसही मंदिर, भगवानपुर शिव मंदिर, पथरवा शिव मंदिर, बैजूपट्टी, तरयासुजान, सुकरौली के मंझरिया ताल आदि को पर्यटन के दृष्टिगत विकसित करने के निर्देश जिलाधिकारी ने दिया। जिलाधिकारी ने उपस्थित खंड विकास अधिकारियों तथा ब्लॉक प्रमुखों को संबोधित करते हुए बताया कि कुशीनगर में बहुत ज्यादा पोटेंशियल है और यहां रोजगार और पर्यटन की संभावनाओं को बढ़ाया जा सकता है। इसी क्रम में जिलाधिकारी ने बताया कि मिनी स्टेडियम में ट्रैक, प्रकाश व्यवस्था, बेंच के साथ–साथ ओपन जिम और झूले भी आवश्यक रूप से लगाए जाए। सौंदर्यीकरण किया जाए। बड़े अमृत सरोवर में बोटिंग कार्य भी शुरू करवाए जा सकते है। जिलाधिकारी ने कहा कि कुशीनगर जनपद प्रदेश के उन चुनिंदा जिलों में शामिल है। जहां बड़े क्षेत्रफल वाले झील और तालाब बहुतायत में हैं। उन्होनें बताया कि आने वाले समय में पर्यटन की दृष्टि से यह जनपद काफी महत्वपूर्ण साबित होगा। इन क्षेत्रों के विकास की आवश्यकता है। जिलाधिकारी ने उपस्थित ब्लॉक प्रमुखों को साइंस लैब, ग्राम सभा में लाइब्रेरी आदि की संभावनाओं के बारे में भी बताया व उसे भी विकसित करने हेतु कहा। जिलाधिकारी ने कहा आगे भी इस तरह की बैठकें आयोजित की जाएंगी और जो भी समस्याएं हैं। उनका समाधान मिलजुल कर किया जाएगा और जनपद को पर्यटन तथा विकास के रास्ते पर आगे बढ़ाए जाने में साथ मिलकर कार्य किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी गुंजन द्विवेदी, परियोजना निदेशक जगदीश त्रिपाठी, डीसी मनरेगा राकेश कुमार, सभी संबंधित अधिकारी तथा समस्त ब्लाक प्रमुख व प्रतिनिधि और समस्त खंड विकास अधिकारी मौजूद रहे।

भ्रष्टाचार के विरुद्ध सत्याग्रह संकल्प के छठे शतक पर सत्याग्रहीयों ने काटा केक

गोरखपुर। आज दिनांक 4 मार्च दिन शनिवार को पीडब्ल्यूडी मुख्य अभियंता कार्यालय पर तीसरी आंख मानवाधिकार संगठन के सत्याग्रहियों का सत्याग्रह के 600 दिन पूरे हुए। उपरोक्त के क्रम में सत्याग्रहियों ने मुख्य अभियंता कार्यालय पर भ्रष्टाचार के विरुद्ध सत्याग्रह संकल्प के छठे शतक पर सत्याग्रहियों ने केक काटा।

संगठन के संस्थापक व महासचिव शैलेंद्र मिश्र ने कहा कि जब विधि द्वारा शासित राज्य में भ्रष्टाचार के निरंकुश तांडव पर व्यवस्था के पोषक भ्रष्टाचार और भ्रष्टाचारियों से बेखबर हो, फिर विधि द्वारा शासित राज्य की परिकल्पना कैसे की जा सकती है। प्रदेश अध्यक्ष रमाकांत पांडे ष्राजूष्ने कहा कि जब लोक निर्माण विभाग गोरखपुर में मुख्य लेखा परीक्षक के विशेष लेखा परीक्षण रिपोर्ट के अनुरूप लगभग करोड़ों रुपए कूट रचित कारित वित्तीय अनियमितता व आर्थिक अपराध पर वैधानिक कार्यवाही न होने के विरुद्ध संगठन 13 जुलाई 2021 से प्रचलित सत्याग्रह संकल्प के दौरान पंजीकृत डाक के माध्यम से मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश को क्रमशः दो बार प्रेषित ज्ञापन मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश कथनानुसार विभागीय अभिलेख में अब तक अंकित नहीं है जो बेहद शर्म का विषय है जिला अधिवक्ता बार एसोसिएशन के मंत्री योगेंद्र कुमार मिश्र एडवोकेट ने कहा कि जब यह आलम उत्तर प्रदेश मुखिया के महानगर का है तो पूरे प्रदेश का क्या होगा, सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। अब सवाल यह उठता है कि जब अहिंसात्मक सत्याग्रह संकल्प का यही वजूद है तो फिर लोकतंत्र का मूल स्वरूप कहां है क्या हम या हमारी व्यवस्था अंग्रेजी दमनकारी नीति और व्यवस्था से मुक्त नहीं है, आखिर उत्तर प्रदेश में क्रमशः 22 वर्षो, और 600 दिनों से भ्रष्टाचार के विरुद्ध प्रचलित सत्याग्रह संकल्प के सत्याग्रहियों को संतुष्ट करने या उससे संबंधित समस्याओं का समाधान करने में व्यवस्था में बैठे जिम्मेदार लोग असफल व बेखबर क्यों है? क्या मुख्य लेखा परीक्षक के विशेष लेखा परीक्षण रिपोर्ट तथ्यों पर आधारित नही है, शायद ये सभी सवाल व्यवस्था के पोषक के लिए अनुत्तरित है और रहेंगे, जो स्वस्थ लोकतंत्र के लिए शुभ संकेत नही है। विजेंद्र प्रकाश श्रीवास्तव एडवोकेट ने कहा कि भ्रष्टाचार के विरुद्ध सत्याग्रह संकल्प का छठा शतक सुचिता, पारदर्शिता पर सवालिया निशान प्रदर्शित करता है। यही कारण है कि न्यायिक व्यवस्था के कंधो पर बोझ बढ़ता जा रहा है और लोकतांत्रिक व्यवस्था मूल धारा से विरत होती जा रही है। उपरोक्त आयोजित सत्याग्रह संकल्प के छठे शतक पर उपस्थित कार्यकर्ता वीरेंद्र वर्मा,जियाउद्दीन अंसारी, संतोष गुप्ता, शमशेर जमा खान,सतीश कुशवाहा, राज मंगल गौड़, साहेब राम साहनी, पवन गुप्ता, चंद्र प्रकाश मणि, यज्ञ प्रताप मणि,प्रशान्त गुप्ता, सेराज अहमद कुरैशी,ध्रुव नारायण सिंह, राजेश्वर पांडेय, आरके श्रीवास्तव, मो. अहमद, राधेश्याम सेहरा,लल्लन दुबे,सत्येंद्र यादव, गौतम लाल श्रीवास्तव,वीरेंद्र कुमार राय, आमंत्रित अतिथि आर.पी सैनी,राधेश्याम सेहरा आदि सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

जिला प्रोवेशन विभाग द्वारा संविलियन विद्यालय रविन्द्रनगर धूस में योजनाओ के बारे मे दी गई जानकारी

कुशीनगर। निदेशक महिला कल्याण उ०प्र०, सचिव महिला एवं बाल विकास मंत्रालय भारत सरकार के अनुपालन में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस विश्व स्तर पर महिलाओं द्वारा की गई उपलब्धियों का जश्न मनाने एवं लैंगिक समानता का आहवान करने के लिए दिनांक 08 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जायेगा तथा महिलाओं की उपलब्धियों की जश्न मनाकर अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर साप्ताहिक गतिविधियों के अर्न्तगत 'आसमा है आगे'ष्थीम के माध्यम से जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें उ0प्र0 सरकार द्वारा बेटियों की सुरक्षा, स्वास्थ्य, शिक्षा, कन्या भ्रूण हत्या आदि को लेकर विभिन्न योजनाओं एवं जागरूकता कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है। जिला प्रोवेशन अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि जनपद मुख्यालय रविन्द्रनगर धूस स्थित कम्पोजिट संविलियग विद्यालय में महिला कल्याण विभाग द्वारा बच्चियों को निरन्तर जागरूकता किया जा रहा है। व डिजिटल के बारे में भी बताया गया है। उन्होंने कहा कि जनपद में महिला कल्याण विभाग द्वारा बेटी बचाओं बेटी पढाओं योजना के अर्न्तगत जिला प्रोवेशन अधिकारी द्वारा किशोरियों एवं महिलाओं से उनके स्वास्थ्य शिक्षा स्वच्छता आदि पर बात की तथा समझाया महिला साहस शक्ति क्षमता की प्रतिमूर्ति है। इसी लिए महिलाओं को सबसे पहले मेरा सुरक्षा मेरा सम्मान पर विचार करना चाहिए जब नारी स्वयं न्यू मजबूत रखेगी। तभी भविष्य की पीढी की न्यू मजबूत रखेगी। महिलाओं का अपने अधिकार के लिए आगे आना चाहिए। किसी पर निर्भर नहीं रहना चाहिए। इसके अतिरिक्त जन्म लेने वाली बालिकाओं के माता पिता से बच्चियों का आवेदन मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना में आवेदन करने के लिए जागरूक किया और विभाग द्वारा चलाई जा रही समस्त योजनाओ मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना रानीलक्ष्मीबाई महिला सम्मान कोष निराश्रित महिला पेंशन योजना वन स्टाफ सेन्टर मैनेजर रीता यादव महिला शक्ति केन्द्र से आदि के विषय में जानकारी दी गयी। कार्यक्रम में श्रीमती बन्दना जिला समन्वयक, श्रीमती प्रिति सिंह जिला समन्वयक, प्रधानाध्यापक श्रीमती द्रोपती सिंह, अनुदेशक अजय कुमार, अनुदेशक श्रीमती पंकज सिंह, सहायक अध्यापक रागिनी ओझा आदि उपस्थित रहे।

हुई होली पर्व को लेकर थाना प्रभारी एवं चौकी इंचार्ज के नेतृत्व में बैठक हुई सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनौली/महराजगंज।अंतरराष्ट्रीय महत्व का स्थान सरहदी

कस्बा सोनौली में रंगों के महापर्व पर सतर्कता एवं सुरक्षा को लेकर थाना प्रभारी अभिषेक सिंह व चौकी इंचार्ज अंकित सिंह ने नगर के प्रबुद्धजनों एवं व्यापारियों संग की बैठक।बताते चले कि, भारत नेपाल के अंतिम छोर पर स्थित सरहदी कस्बा होने के साथ ही साथ भारत नेपाल की खुली सीमा होने के कारण सोनौली में स्थानीय प्रशासन नागरिक सुरक्षा को लेकर हमेशा ही एलर्ट रहती है, इसी क्रम में होली पर्व पर विशेष रूप से एक बैठक चौकी सोनौली पर किया गया। बैठक में थाना प्रभारी ने बताया कि, होली पर्व पर नगर में जुलूस नही निकाला जाएगा, वही प्रबुद्धजनों के सवालों के जवाब देते हुवे थाना प्रभारी ने कहा कि, होली रंगों का पर्व है, ऐसे में होली में खलल डालने एवं हुड़दंग बाजी से बचे, वही थाना प्रभारी ने कहा कि, भारत मे दो से तीन दिनों तक शराब बंदी रहेगी ऐसे में नेपाल जाने वाले शौकीन नेपाल ना जा कर घर पर ही होली का आनंद उठाये, ऐसा नही करने पर उन्हें अपनी होली नेपाल में ही मनानी पड़ेगी।इस मौके पर कन्हैयालाल गुप्ता, अखिलेश त्रिपाठी, प्रेम जायसवाल, महेन्द्र जायसवाल, राजकुमार गुप्ता सहित तमाम व्यापारी उपस्थित रहे।

तहसील दादरी में महिलाओं के लिये आयोजित किया गया विधिक साक्षरता शिविर

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतमबुद्धनगर। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में दिनांक 04.03.

2023 से दिनांक 11.03.2023 तक अन्तर्राष्ट्रीय महिला सप्ताह के अवसर पर महिलाओं के लिये विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किये जाने हेतु निर्देश प्राप्त हुये। उक्त के क्रम में श्री राजीव कुमार वत्स, अपर जिला जजध सचिव, पूर्णकालिक, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, गौतमबुद्धनगर के दिशा–निर्देशन में तथा श्री विवेकानन्द मिश्रा तहसीलदार, दादरी की अध्यक्षता मे आज दिनांक 04.03.2023 को प्रात 10:30 बजे से तहसील परिसर दादरी में महिलाओं के हितार्थ में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में महिलाओ को उनके हित संरक्षण के लिए कानून जैसे भारतीय दण्ड संहिता 1860, भारतीय साक्ष्य अधिनियम, दण्ड प्रक्रिया संहिता, महिलाओं का घरेलू हिंसा से संरक्षण अधिनियम 2005, दहेज प्रतिषेध कानून 1961, महिलाओं को लिगांनुपात को रोकने, शिशु के लिंग की जॉच कराने, कार्य स्थल पर यौन शोषण, दहेज प्रथा, भ्रूण हत्या, लैगिंक शोषण, सम्पत्ति में समानता का अधिकार, लैंगिक हमला, अश्लील फिल्मे एवं अश्लील सामग्री रखने आदि के बारे में विस्तारपूर्वक जानकारी उपलब्ध करायी गयी। शिविर में श्री विवेकाननद मिश्रा तहसीलदार दादरी, शशि भूषण तिवारी, राजवीर सिंह अकेला, पीएलवी व अधिक संख्या में महिलाये उपस्थित रही।

8 मार्च 2023 को मादक पदार्थो की ब्रिकी पूर्णतया बंद रहेगी

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतमबुद्धनगर। जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में होली पर्व को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से संयुक्त प्रांत आबकारी अधिनियम के तहत दिनांक 8 मार्च, 2023 को जनपद गौतम बुद्ध नगर के समस्त देशी शराब, विदेशी शराब, बियर, भांग की फुटकर बिक्री की दुकानें, प्रीमियम रिटेल वेण्ड एवं मॉडल शॉपध्बार –एफ0एल0 –6 ध 6ए समिश्र ध्एफ0एल0–7 ध 7सी ध एफ0एल0 –9 ध 9ए ध्40 ध्41 ध 49 ध सैन्य कैन्टीन, थोक अनुज्ञापन सी0एल0–2 ध एफ0एल0–2 ध 2ए ध 2बी, फार्मेसी, बी0आई0ओ0–1 एवं बाण्ड अनुज्ञापनों तथा जनपद के अन्य सभी आबकारी अनुज्ञापन संपूर्ण दिवस बंद रहेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि समस्त मादक पदार्थो की ब्रिकी उक्त तिथि में पूर्णतया बंद रहेगे एवं बंदी अवधि के लिए अनुज्ञापियों को किसी प्रकार के अनुज्ञापन शुल्क की छूट या प्रतिफल नही दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि उक्त आदेशों का यदि किसी के द्वारा उल्लघंन किया जाता है, तो सम्बन्धित के विरूद्ध कठोरतम कार्यवाही अमल में लायी जायेंगी।

स्वस्थ शरीर से ही होता है स्वस्थ मन का विकास – विनोद गुप्ता काउंसलर

दैनिक बुद्ध का संदेश

फरेंदा। शनिवार को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय खजुरिया में

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र फरेंदा के अधीक्षक डॉ एम पी सोनकर के नेतृत्व में काउंसलर विनोद कुमार गुप्ता द्वारा उपस्थित छात्राओं को सेनेटरी पैड वितरित किया गया। उसके उपरांत उन्होंने संबोधित करते हुए छात्राओं से कहा कि स्वस्थ शरीर ही स्वच्छ मन का विकास करता है। अगर आप स्वस्थ रहेंगे तो आप का मन पढ़ाई में भी लगेगा स्वच्छ रहेंगे तो आप अपने विद्यालय परिसर के अलावा आसपास के माहौल को भी स्वच्छ रखेंगे। उन्होंने कहा कि मौसम परिवर्तन होने से लोगों में सर्दी जुखाम खांसी बुखार आज की संभावना बढ़ जाती है मगर जब सभी बच्चे बदलते मौसम के साथ स्वयं को भी बदलने लगते हैं और समय से उठकर व्यायाम करना टहलना समय से स्नान करना समय से पढ़ाई करना प्रारंभ कर देते हैं तो उन्हें भी इस बदलते मौसम से कोई दिक्कत नहीं होती है। इसके अलावा सुरक्षा स्वास्थ्य और शिक्षा पर भी विस्तृत जानकारी दी गई। इस दौरान वार्डन, नीलम त्रिपाठी, पूजा शाही, नीलम पटेल, संगीता, ऋतु सहित सैकड़ों छात्राएं मौजूद रहे।

गौतम बुद्ध नगर की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस संपन्न

जिलाधिकारी के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी भू0ध्अ0 द्वारा जेवर तहसील में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुए सुनी जनता की शिकायतें।

दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतमबुद्ध नगर। उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप जनता की शिकायतों एवं समस्याओं का त्वरित गति के साथ निस्तारण कराने के उद्देश्य से आज जनपद की तीनों तहसीलों में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ। जनपद की तीनों तहसीलों में कुल 110 शिकायतें दर्ज हुई, जिसके सापेक्ष 06 शिकायतों का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया। जिला अधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निर्देशों के क्रम में अपर जिलाधिकारी भू0ध्अ0 गौतम बुद्ध नगर बलराम सिंह द्वारा तहसील जेवर में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस की अध्यक्षता करते हुये जनता की शिकायतों का अनुश्रवण किया गया। जेवर तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जन सामान्य के द्वारा कुल 51 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष 01 शिकायत का निराकरण विभागीय अधिकारियों के द्वारा मौके पर ही सुनिश्चित किया गया

। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी भू0ध्अ0 बलराम सिंह ने समस्त जिला स्तरीय अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि जनता की शिकायतों एवं समस्याओं के निराकरण को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार एवं शासन गंभीर है। उन्होंने सभी अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में जिन विभागों से संबंधित जनता की शिकायतें दर्ज हो रही हैं। सभी संबंधित अधिकारीगण गंभीरता के साथ तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करें और मौके पर जाकर संबंधी शिकायतों का निराकरण सुनिश्चित कराएं ताकि संबंधित पोर्टल पर शिकायतों को ऑनलाइन किया जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि शिकायतकर्ता को भी संबंधित विभागीय अधिकारियों के द्वारा निस्तारण के दौरान उपस्थित रखा जाए ताकि सभी शिकायतों का निराकरण गुणवत्ता परक रूप से सुनिश्चित किया जा सके। उन्होंने कहा कि तहसील संपूर्ण समाधान दिवस में दर्ज शिकायतों की मानिटरिंग उत्तर प्रदेश शासन स्तर से सुनिश्चित की जा रही है। अतः सभी अधिकारियों के द्वारा दर्ज शिकायतों का निराकरण पूर्ण गंभीरता के साथ कराया जाना सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी तेज प्रताप मिश्र, पुलिस के वरिष्ठ अधिकारीगण, उप जिलाधिकारी जेवर एवं अन्य जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे। इसी प्रकार सदर तहसील में अपर जिलाधिकारी प्रशासन डॉ नितिन मदान की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन संपन्न हुआ, जहां पर कुल 05 शिकायतें जनता के द्वारा दर्ज कराई गई। दादरी तहसील में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में तहसील संपूर्ण समाधान दिवस का आयोजन हुआ, जहां पर जनता के द्वारा कुल 54 शिकायतें विभिन्न विभागों से संबंधित दर्ज कराई गई, जिसके सापेक्ष विभागीय अधिकारियों के माध्यम से 05 शिकायतों का निराकरण मौके पर ही सुनिश्चित किया गया।

भजन संध्या व संध्या कालीन आरती में श्रद्धालु हुए भाव विभोर

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। रंगभरी एकादशी के उपलक्ष्य में शुक्रवार को जिला मुख्यालय रॉबर्ट्सगंज स्थित श्री संकट मोचन हनुमान मंदिर परिसर में मानस भजन समिति द्वारा शाम 7:00 बजे से भव्य भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसके पूर्व मंदिर के पुजारी राजकुमार पांडे द्वारा राम जानकी एवं हनुमान जी का भव्य श्रृंगार किया गया। वही संध्या कालीन आरती में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिली। इस दौरान हर हर महादेव जय श्री राम जय हनुमान के नारे से मंदिर प्रांगण गुंजायमान हो उठा। आयोजित भजन संध्या में वाराणसी से आए सुप्रसिद्ध गायक भैयालाल पाठक ने एक से बढ़कर एक भगवान श्री राम, भोलेनाथ, हनुमान जी व होली के भजनों को गाया जिसे सुनकर भक्तजन मंत्रमुग्ध होकर झूमने लगे। गायक भैया लाल पाठक के साथ बैंजो पर अनिल सिंह, नाद पर संतोष केसरी ने संगत किया और इनके साथ सहयोगी संगीतकारों में रविंद्र सिंह और बजरंग दास रहे। वही मंदिर प्रांगण में भंडारे का भी आयोजन किया गया।इस अवसर पर मंदिर के व्यवस्थापक सहित भारी संख्या में भक्त गण उपस्थित रहे।

2 करोड़ 23 लाख की लागत वाली सड़क का निर्माण स्वीकृत

कुसम्हा भट्टे से विगहिया तक बनेगी सड़क

दैनिक बुद्ध का संदेश

बस्ती । भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं बस्ती सदर के पूर्व विधायक दयाराम चौधरी की पहल पर साऊंघाट विकास खण्ड क्षेत्र के बस्ती कांटे मार्ग पर कुसम्हा भट्टे से उदयपुरवा होते हुये विगहिया तक दूरी लगभग 3 किलोमीटर को स्वीकृत किया गया है।पूर्व विधायक दयाराम चौधरी ने यह जानकारी देते हुये बताया कि क्षेत्रीय जनता के आग्रह पर उन्होने उक्त सड़क के निर्माण का आग्रह किया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है। बताया कि लोक निर्माण विभाग के प्रमुख अभियन्ता ने उन्हें स्वीकृति की जानकारी दी है। बताया कि लगभग 2 करोड़ 23 लाख की लागत से उक्त सड़क का निर्माण शीघ्र शुरू हो जायेगा और क्षेत्रीय नागरिकों को आवागमन में सुविधा होगी।उदयपुरवा होते हुये विगहिया तक लगभग 3 किलोमीटर सड़क निर्माण की स्वीकृति होने पर क्षेत्रीय नागरिकों ने प्रसन्नता व्यक्त किया है। यह जानकारी पूर्व विधायक के मीडिया प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने दी है।

मिलकर लड़ेंगे शिक्षक हितों की लड़ाई: राज बहादुर सिंह चंदेल

उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ के विभिन्न घटकों की बैठक रायल होटल पर सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

लखनऊ। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षकों के विभिन्न घटकों की बैठक रायल होटल पर सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता प्रांतीय संरक्षक व एमएलसी राज बहादुर सिंह चंदेल व संचालन महामंत्रीध्पूर्व एमएलसी राम बाबू शास्त्री ने किया। बैठक में सर्वसम्मत से निर्णय लिया गया कि शिक्षक हितों की रक्षा के लिए सभी संगठन मिलकर संघर्ष करेंगे। इसके लिए समन्वय समिति बनाने का निर्णय लिया गया। बैठक में तय किया गया कि शिक्षक समस्याओं से संबंधित ज्ञापन 10 मार्च तक सरकार प्रेषित किया जायेगा। समस्याओ का समाधान न होने पर 18 मार्च से शुरु हो रहे बोर्ड परीक्षा उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन का प्रदेश व्यापी वहिष्कार किया जायेगा।प्रदेश अध्यक्ष चेत नारायण सिंह ने कहा कि संघर्ष को प्रभावी बनाते हुए प्रदेश स्तर पर समन्यव्य समिति बनाई जायेगी, जिसके संयोजक विधान परिषद के वरिष्ठतम सदस्य राज बहादुर सिंह चंदेल होंगे। समिति में सभी संगठनों के प्रदेश अध्यक्ष व महामंत्री या उनके द्वारा नामित दो सदस्य, सदस्य के रूप में रहेंगे। संघर्ष के लिए सम्मिलित मांग आम सहमति से तैयार की जायेगी। संघर्ष की नोटिस 10 मार्च को समन्वय समिति की ओर से सरकार को प्रेषित कर दी जाएगी।उन्होंने कहा कि जनपद स्तर पर सभी जिलाध्यक्षध्मंत्री अपने अपने जिलों में बैठक बुलाकर समन्वय समिति का गठन करेंगे। शर्मा गुट के प्रदेश अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी किसी जरूरी मीटिंग के कारण बैठक में नही आये, जिसके कारण उन्होंने बैठक को मोबाइल पर सम्बोधित करते हुए कहाँ कि आपका प्रयास सराहनीय है। हम 15 मार्च की बैठक में निर्णय लेकर अवगत कराएंगे।बैठक में पुरानी पेंशन योजना बहाल करने, तदर्थ शिक्षकों को विनियमित कर पूरा वेतन दिलाने, वित्त विहीन को मानदेय व सेवा नियमावली बनाने, चिकित्सा भत्ता दिलाने, बकाया एरियर दिलाने, आन लाइन स्थानांतर कराने, बोर्ड परीक्षा से संबंधित सभी प्रकार के पारिश्रमिक की र्द सीबीएससी बोर्ड के बराबर करने सहित अनेक मुद्दों पर चर्चा की गयी।बैठक में पाण्डेय गुट के वरिष्ठ उपाध्यक्ष भगवान शंकर त्रिवेदी, महामंत्री नंद कुमार मिश्रा, राजकीय माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रदेश अध्यक्ष छाया शुक्ला, आदर्श माध्यमिक शिक्षक संघ की प्रदेशअध्यक्ष डा.आशा लता सिंह, संयोजक कपिल देव यादव सहित उक्त सभी नेताओं ने मिलकर आंदोलन करने का निर्णय लिया। बैठक में सुरेश कुमार तिवारी, जगदीश प्रसाद व्यास, संजय द्विवेदी, विनोद कुमार मिश्रा, विरेन्द्र विक्रम सिंह, प्रभात सिंह सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

सोनभद्र को सांस्कृतिक पहचान दिलाएंगे यहां के कर्मयोगी: डीएम

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र। जनपद के 34 वें स्थापना दिवस पर शनिवार को जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह ने सभी जनपदवासियों को बधाई और शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए सोनांचल के समग्र विकास के लिए सतत प्रयास की अपेक्षा की है। इस अवसर पर जनपद को विशिष्ट पहचान देने वाले कई विभूतियों को सम्मानित किया गया । राबर्टसगंज नगर स्थित रामलीला मैदान में सूचना और जनसंपर्क विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी के भव्य पंडाल में विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने वाली विभूतियां सम्मानित की गयीं। साहित्य के क्षेत्र में अजय शेखर, लेखन में डॉ अर्जुनदास केसरी, संस्कृति में विजय शंकर चतुर्वेदी , इतिहास लेखन में डॉ जितेंद्र कुमार सिंह संजय, शिक्षा में ओमप्रकाश त्रिपाठी, आजादी के अमृत महोत्सव के कई सफल आयोजन के लिए भोलानाथ मिश्रा, कृषि के क्षेत्र में बाबूलाल मौर्या , धर्म के क्षेत्र में राकेश त्रिपाठी, चिकित्सा के क्षेत्र में डॉ कुसुमाकर श्रीवास्तव , दिव्यांग क्रिकेट में लव वर्मा और इको टूरिज्म के क्षेत्र में नीरज द्विवेदी सम्मानित किए गए । जिलाधिकारी के प्रतिनिधि के रूप में उप जिलाधिकारी रमेश कुमार ने इन विभूतियों को सम्मानित किय । एसडीएम ने सम्मानित व्यक्तियों का अभिनंदन करते हुए कहा कि इन कर्मयोगियों ने जिले को एक पहचान दी है, आज जब जनपद अपनी स्थापना का चौतीसवां स्थापना वर्ष मना रहा है तो इसके पास कई उपलब्धियां हैं, लेकिन जिले को सांस्कृतिक पहचान इन विभूतियों के कार्यों से ही मिलेगी। उन्होंने जिलाधिकारी के स्थापना दिवस के संदेश को बताते हुए सभी को स्थापना दिवस की शुभकामनाएं प्रेषित कीं। अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह ने सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त किया । इस मौके पर सीमांचल के समान गणमान्य नागरिक एवं प्रबुद्ध जन मौजूद रहे।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट-हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद-सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.-UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद-सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक
बुद्ध का संदेश

उद्योगों की भरमार,युवाओ को रोजगार की दरकार-देशमुख

दैनिक बुद्ध का संदेश

सोनभद्र।उत्तर प्रदेश सरकार के युवा कल्याण विभाग द्वारा संचालित संगठन युवक मंगल दल द्वारा जनपद सोनभद्र के चौतीसवें स्थापना दिवस के अवसर पर करमा ब्लॉक के लोहरा ग्राम पंचायत में जिला कार्यसमिति सदस्य एंव प्रभारी सदर,करमा ब्लॉक गुलाब प्रसाद देशमुख के नेतृत्व में युवा विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया।गुलाब प्रसाद देशमुख ने कहा कि आज हमारा जनपद चौतीस वर्ष का हो गया।इन चौतीस वर्षों में कई सरकारे आई और चली गई लेकिन युवाओ को रोजगार देने में विफल रही।खनिज संपदाओं और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण जनपद जो मानव जीवन के उतपत्ति का साक्षी भी है वह जनपद अपने विकास की प्रतीक्षा में अब भी बैठा है।पूरे प्रदेश में दूसरे न0 पर राजस्व देने के बावजूद भी यह जनपद अपने पिछड़ेपन के धब्बे को अब तक मिटा नही पाया है।पर्यटन की अपार संपदाओं के बावजूद भी जनपद का विकास सिर्फ खनन तक सिमट कर रह गया है।सोनभद्र का फासिल्स अभी भी गुमनाम है और अमेरिका का येलोस्टोन फासिल्स पार्क सैकड़ो करोड़ डॉलर की कमाई करता है।गुलाब ने कहा कि वे खुद आदिवासी है और आदिवासियों के दर्द को समझते है।उन्होंने कहा कि यहाँ के उद्योगों के चिमनियों से निकलने वाले धुंवे से फैलने वाले प्रदूषण से यहाँ के लोग विकलांग हो रहे है।लेकिन उनकी चिंता किसी को नही है।दो तिहाई भारत को रोशन करने वाला जनपद और उसके जनपद वासी आज भी दोहन का शिकार है।ग्रामीण क्षेत्रो की जनता के मामूली से बिजली बिल बकाया होने पर तानाशाही तरीके से उनकी बिजली काट दी जा रही है।गांव के गांव अंधेरे में हो जा रहे है यह अन्याय नही तो क्या।वहीं बड़े बकायेदारों पर बिजली विभाग मौन है,जेपी जैसी कम्पनी का करोडो का बिल बकाया है।लेकिन क्या मजाल की बिजली विभाग अपनी कड़ाई बड़े लोगों पर दिखाए।जबकि बिजली कम्पनियो के सीएसआर फंड से पूरे जनपद के लोगों को मुफ्त बिजली मिल सकती है।ब्लॉक कार्यसमिति सदस्य ज्ञानेंद्र सिंह ने कहा कि जिले के पास सैकड़ो करोड़ सीएसआर एंव डीएमएफ फण्ड पड़ा है लेकिन उसका यहाँ के खिलाड़ियों के लिए उपयोग नही किया जा रहा है।उन्होंने कहा कि यहाँ के खिलाड़ियों में प्रतिभा का भण्डार है लेकिन उचित अवसर न मिल पाने के कारण उनकी प्रतिभा दम तोड़ दे रही है।युवाओं ने मांग की है कि इस फण्ड से जनपद में एक स्पोर्टस कॉलेज और अंतराष्ट्रीय स्टेडियम का निर्माण किया जाए जिससे उत्तर प्रदेश के साथ-साथ जनपद सोनभद्र से सटे चार राज्यों के खिलाड़ियो को भी लाभ मिलेगा।युवाओं ने कल कारखानों में स्थानीय युवाओ को रोजगार देने के साथ-साथ पर्यटक स्थलों को विकसित करने की मांग की है। गोष्ठी के अंत मे सारे युवाओ ने कहा कि हमारे प्रदेश के मुख्यमंत्री से हमें बड़ी अपेक्षायें है और हम सभी को उम्मीद है कि हमारी अपेक्षायें जरूर पूरी होंगी।बैठक में गुलाब प्रसाद देशमुख, ग्राम सभा बंट के अध्यक्ष ज्ञानेंद्र सिंह लोहरा के कोषाध्यक्ष सत्या जीधर्मवीर पटेल ,अरविंद कुमार, बृजेश सिंह, सोनू ,बहादुर , लल्लीकान्त ,शुभम मौर्य रिंकू, उमेश कुमार आदि लोग उपस्थित रहे।

आंखों के नीचे की सूजन को दूर करने के लिए अपनाएं ये 5 घरेलू नुस्खे

आंखों के आस–पास के ऊतक विशेष रूप से पलकों को सहारा देने वाली मांसपेशियां जैसे–जैसे आप बड़े होते जाते हैं, वे लचीलापन खोती जाती हैं और थकान के साथ–साथ अनिद्रा इसे प्रभावित कर सकती है। इसके कारण आंखों के नीचे सूजन आने की संभावना बढ़ जाती है और इससे पूरे चेहरे का निखार फीका पड़ सकता है। आइए आज हम आपको इस समस्या से छुटकारा दिलाने वाले घरेलू नुस्खे बताते हैं। टी बैग्स का करें इस्तेमालः टी बैग्स लगाने से आंखों के नीचे सूजन को कम करने में मदद मिल सकती है। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि टी बैग्स ग्रीन हो या ब्लैक। इसमें मौजूद कैफीन सूजन को कम करने में मदद कर सकता है। लाभ के लिए दो टी बैग्स को गुनगुने पानी में करीब 5 मिनट के लिए भिगो दें, फिर टी बैग्स को अपनी बंद आंखों पर रखें और इन्हें एक मुलायम कपड़े से ढककर लगभग आधे घंटे के लिए छोड़ दें। खीरा भी है बेहतर विकल्पः खीरे का इस्तेमाल करके भी आप आंखों से जुड़ी कई समस्याओं से राहत पा सकते हैं और इसमें आंखों के नीचे की सूजन को ठीक किया जा सकता है। आंखों की सूजन से राहत पाने के लिए 2 से 3 मिनट के लिए खीरे की 2 मोटी स्लाइस को ठंडे पानी में भिगोएं और फिर इसे 10 मिनट के लिए अपनी बंद आंखों पर रखें। इससे न सिर्फ आंखों को ठंडक मिलेगी बल्कि सूजन भी धीरे–धीरे कम होने लगेगी। एसेंशियल ऑयल्स भी हैं प्रभावीः लैवेंडर के तेल का नसों पर शांत और सुखदायक प्रभाव पड़ता है, जबकि नींबू का तेल तनाव को दूर करने में मदद कर सकता है और कैमोमाइल तेल में एंटी–इंफ्लेमेटरी और एंटी–इरिटेंट गुण होते हैं। ये गुण आंखों के नीचे की सूजन से राहत दिलाने में मदद कर सकते हैं। लाभ के लिए एसेंशियल्स तेल को मिलाएं और उन्हें पानी में अच्छी तरह मिला लें, फिर सोने से पहले मिश्रण से आंखों के नीचे हल्के हाथ से मालिश करें। अनानास और हल्दी का आई मास्क लगाएंः जब आपको आंखों के निचले हिस्से पर सूजन का अहसास हो तो उसे कम करने के लिए आप अनानास और हल्दी के आई मास्क का इस्तेमाल कर सकते हैं। इसके लिए एक कटोरी में 4 बड़ी चम्मच अनानास का रस और 1 चम्मच हल्दी पाउडर मिलाएं और इस मिश्रण को आंखों के निचले भाग पर लगाकर 25 मिनट के लिए ऐसे ही छोड़ दें। इसके बाद चेहरे को गुनगुने पानी से धो लें। गुलाब जल और एलोवेरा जेल का मिश्रण लगाएंः यह आंखों की खूबसूरती बढ़ाने में काफी मदद कर सकता है। इसके लिए सबसे पहले एक कटोरी में 1 छोटी चम्मच गुलाब जल, 1 बड़ी चम्मच एलोवेरा जेल और आधी छोटी चम्मच शहद मिलाएं। अब इस मिश्रण में कॉटन पैड्स को डुबोकर आंखों के नीचे लगा लें और 20 मिनट बाद ही हटाएं। इसके बाद आप आंखों को ठंडे पानी से धोकर तौलिये से सुखा लें।

घर में ह्यूमिडिफायर क्यों रखना चाहिए? जानिए इसके इस्तेमाल से होने वाले 5 फायदे

बहुत से लोग अपने घरों में ह्यूमिडिफायर नामक हवा साफ करने वाला उपकरण रखते हैं। इससे आस–पास की हवा में मौजूद प्रदूषण और हानिकारक गैसों के तत्वों को आसानी से खत्म किया जा सकता है। इसकी मदद से हवा में नमी बढ़ती है और घर का वातावरण साफ और सुरक्षित रहता है। आइए आज ह्यूमिडिफायर के इस्तेमाल से होने वाले 5 प्रमुख फायदे जानते हैं।

त्वचा और बालों के लिए अच्छा है ह्यूमिडिफायर

बहुत से लोग त्वचा और स्कैल्प में जलन जैसी ड्राइनेस से जुड़ी कई समस्याओं का अनुभव करते हैं। इससे राहत पाने के लिए ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल किया जा सकता है। यह उपकरण घर के अंदर की हवा में नमी बढ़ाता है, जो बेहद ड्राई मौसम की स्थिति के कारण खो जाती है। इसके अलावा इससे त्वचा और बालों में नमी वापस आती है, वे मुलायम होते हैं और किसी भी तरह की परेशानी से मुक्त हो जाते हैं।

गले की खराश और खांसी से राहत दिलाने में है सहायकः कुछ लोगों को ड्राई हवा की वजह से गले में खराश हो जाती है। यह असुविधाजनक और दर्दनाक हो सकता है। इसके अलावा जब सर्दी–जुकाम के कारण आप मुंह से सांस लेते हैं, तब गला भी ड्राई हो जाता है। हालांकि, ह्यूमिडिफायर का इस्तेमाल करके इस स्थिति से बचा सकता है क्योंकि यह हवा को नम करता है। यह खांसी से भी छुटकारा दिला सकता है और यह श्वसन की मांसपेशियों को शांत करता है। साइनस से राहत दिलाने में है मददगारः साइनस नाक से जुड़ी एक बीमारी है, जिसमें बंद नाक, सिर में दर्द और सांस लेने में तकलीफ जैसी समस्याएं होती हैं। हालांकि, इसके लक्षणों को कम करने या राहत पाने के लिए ह्यूमिडिफायर मदद कर सकता है। इस उपकरण के इस्तेमाल से बंद नाक को खोलने में मदद मिलती है और यह हवा में नमी बढ़ाकर अतिरिक्त बलगम के वोकल कॉर्ड को साफ करने में मदद कर सकता है।

एलर्जी को कम करने में है कारगरः एलर्जी और उसके असुविधाजनक लक्षणों को कम करने के सबसे बढिया तरीकों में से एक नम हवा में सांस लेना है। ह्यूमिडिफायर ड्राई हवा के कारण होने वाले ऊतकों की सूजन को कम कर सकता है, जिससे जलन और एलर्जी से राहत मिलती है। हालांकि, इसका इस्तेमाल करने से पहले यह जरूर ध्यान दें कि उपकरण पूरी तरह से साफ है और उसमें बिल्कुल भी धूल न हो। नींद की गुणवत्ता में सुधार करने में है सहायकः घर के अंदर या कमरे में हवा ड्राई होती है तो अक्सर सोने में कठिनाई होती है। इससे नींद की कमी या अनिद्रा की समस्या हो सकती है। इस मामले में ह्यूमिडिफायर काफी मदद कर सकता है। इसके अलावा यह अक्सर सीपीएपी मशीनों में भी इस्तेमाल किया जाता है। इसकी वजह से स्लीप एपनिया वाले रोगियों को आराम से सोने में मदद मिलती है।

महिला दिवस पर ओटीटी पर रिलीज होगी अनुष्का सेन की फिल्म एम आई नेक्स्ट

बाल वीर और देवों के देव महादेव में अपने काम के लिए

पहचानी जाने वाली अभिनेत्री अनुष्का सेन राहत काजमी द्वारा निर्देशित आगामी फिल्म एम आई नेक्स्ट में नजर आएंगी। फिल्म, जो एक बलात्कार पीडिघ्ता की कहानी के इर्द–गिर्द घूमती है और उसकी कहानी वहां से कैसे सामने आती है, 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर स्क्रीन पर आएगी। फिल्म एक किशोरी लड़की की कहानी बताती है, जिसके साथ बलात्कार किया गया था, जिसके बाद उसे गर्भावस्था को समाप्त करने के अपने अधिकार के लिए अदालत में लंबी लड़ाई लडनी पड़ी थी। अनुष्का ने कहा, यह फिल्म एम आई नेक्स्ट मेरे दिल के बेहद करीब है, क्योंकि यह भूमिका निश्चित रूप से अब तक की सबसे चुनौतीपूर्ण भूमिका थी। मुझे गर्व है कि यह फिल्म एक अच्छे संदेश को बढ़ावा देगी, लोग इस फिल्म से बहुत कुछ सीख सकते हैं और मैं इस तरह की एक महत्वपूर्ण फिल्म का हिस्सा बनने के लिए भाग्यशाली हूं। उन्होंने आगे कहा, मेरे निर्देशक राहत काजमी को धन्यवाद जिन्होंने मुझे यह अवसर दिया। मेरे परिवार ने हमेशा मुझे प्यार और समर्थन दिया है। फिल्म में अनुष्का सेन के अलावा स्वरूपा घोष और मीर सरवर अहम भूमिका में हैं। एनएसडी के दिग्गज नीलू डोगरा, तारिक खान, पंकज खुजुरिया, राजीव राणा और सतीश भट भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। फिल्म 8 मार्च को जी5 पर रिलीज होगी।

स्ट्रैपलेस ब्लाउज में गजब की खूबसूरत लगीं इशिता दत्ता, खूबसूरती के मुरीद हुए फैंस

बॉलीवुड में बॉक्स ऑफिस पर कमाई के रिकॉर्ड बनाने वाली फिल्म दृश्यम 2 की एक्ट्रेस इशिता दत्ता सोशल मीडिया पर भी अपने हुस्न का जलवा बिखेरती रहती हैं। उनका किलर अंदाज फैंस को काफी पसंद आता हैं। वहीं, एक्ट्रेस साड़ी और स्ट्रेपलेस ब्लाउज के साथ अपनी तस्वीरें शेयर की हैं, जो फैंस को काफी पसंद आ रही हैं। एक्ट्रेस इशिता दत्ता अपने ग्लैमरस अंदाज से फैंस के दिलों पर कहर बरपाने का हुनर बखूबी जानती हैं। स्ट्रेपलेस ब्लाउज और साड़ी के साथ एक्ट्रेस इशिता दत्ता बेहद ही स्टनिंग पोज देती नजर आ रही हैं। इशिता दत्ता ने सोशल मीडिया पर अपने बोल्ड अंदाज से वो हुस्न का जलवा दिखाया, जिसे देखकर फैंस के पसीने छूट गए। इशिता दत्ता टीवी से लेकर बॉलीवुड तक अपनी अदाएगी का जलवा बिखेर चुकी हैं। बलखाती कमर और खूबसूरती से इशिता दत्ता फैंस के दिलों की ध ाड़कनें बढ़ाना बखूबी जानती हैं। खुले बाल और लाइट मेकअप में एक्ट्रेस इशिता दत्ता बेहद ही गॉर्जियस लग रही हैं। एक्ट्रेस इशिता दत्ता सोशल मीडिया पर अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। वहीं, फैंस को उनकी तस्वीरें काफी पसंद आती हैं। इशिता दत्ता सोशल मीडिया पर अपने निजी और प्रोफेशनल पलों को साझा करती रहती हैं। एक्ट्रेस इशिता दत्ता के इंस्टाग्राम पर 2.3 मिलियन फॉलोवर्स हैं।

डिप्रेशन पागलपन नहीं है : दिव्या दत्ता

अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों और अवसाद (डिप्रेशन) से निपटने के बारे में खुलकर बात की है। अभिनेत्री दिव्या दत्ता ने खुलासा किया कि इससे बाहर आना उनके लिए बहुत कठिन था और इस बात पर भी जोर दिया कि महिलाओं

को इन मुद्दों के बारे में अधिक मुखर होने की जरूरत है। दिव्या ने कहा, मैं डिप्रेशन से गुजर चुकी हूं और इससे बाहर आ गई हूं। लेकिन हर कोई ऐसा नहीं कर सकता। लोगों को पता होना चाहिए कि इसके बारे में बात करना बिल्कुल ठीक है। इसे दबाने की कोशिश न करें। अगर कोई उदास दिखाई देता है तो उसे पर ध यान दें और उनकी बात सुनें। डिप्रेशन पागलपन नहीं है। मानसिक स्वास्थ्य के मुद्दों को एक बीमारी के रूप में देखा जाना चाहिए और एक के रूप में इसका इलाज किया जाना चाहिए। अभिनेत्री का मानना है कि अब समय आ गया है कि महिलाएं अपने मुद्दों के बारे में अधिक मुखर हों। अभिनेत्री आगे कहा कि मानसिक स्वास्थ्य समस्याएं पागलपन में तब्दील नहीं होती हैं। इसलिए, उन्हें समझाने की जरूरत है और मिथकों को तोडने की जरूरत है। अभिनेत्री ने आगे कहा कि सबसे महत्वपूर्ण और अभी तक कम बोला जाने वाला विषय मानसिक स्वास्थ्य है। इससे इतनी सारी महिलाएं पीडिघ्त हैं लेकिन इसके बारे में बोलने की हिम्मत नहीं करती हैं। मुझे खुशी है कि अब हम इसके बारे में बात कर रहे हैं। महिला दिवस (8 मार्च) को अन्य महिलाओं के साथ मनाने की उम्मीद है जो एक बेहतर समाज और अवसरों के लिए समर्पित हैं। दिव्या ने 1994 में फिल्म इश्क में जीना इश्क में मरना से फिल्म इंडस्ट्री में डेब्यू किया था। उन्होंने वीर–जारा, वेल्कम टू सज्जनपुर, दिल्ली–6, स्टैनली का डब्बा, हीरोइन, भाग मिल्खा सिंह सहित अन्य में भी अभिनय किया है।